शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 235 | गुवाहाटी | मंगलवार, 31 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुख्यमंत्री ने माजुली रोडमैप का अनावरण किया पेज 2 | पांच लाख भाजपाइयों ने लिया प्रधानमंत्री के मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम में हिस्सा पेज 3 | देवरिया में 41 आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण 89 का शिलान्यास; 576 को नियुक्ति पत्र पेज 5 | पेज 7

ईरान ने ठुकराया पाकिस्तान का प्रस्ताव

अमेरिका के साथ नहीं होगी कोई बात

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने दावा किया था कि वह अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए सीधी बातचीत की मेजबानी करने के लिए तैयार है, लेकिन पाकिस्तान के इस प्रस्ताव को ईरान ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। मुंबई में ईरान के महावाणिज्य दूतावास ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ कोई सीधी बातचीत नहीं हुई है, सिर्फ बिचौलियों के जरिए ही बहुत ज्यादा और बेतुकी मांगें भेजी गई हैं। महावाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा कि अमेरिका के साथ कोई सीधी बातचीत नहीं हुई, सिर्फ बिचौलियों के जरिए बहुत ज्यादा और बेतुकी मांगें भेजी गई हैं। अमेरिका की कूटनीति लगातार बदलती रहती है, लेकिन हमारा रुख साफ है। ईरान के मंत्री ने आगे कहा कि पाकिस्तान के मंच उनके अपने हैं, हमने उनमें हिस्सा नहीं लिया। युद्ध खत्म करने की क्षेत्रीय अपीलों का स्वागत है, लेकिन याद रखें कि इसे शुरू किसने किया था! पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता करवाने की घोषणा रविवार को की थी। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने इस्लामाबाद में सऊदी अरब, मिस्र और तुर्की के अपने -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की बड़ी चेतावनी, बोले-

असम चुनाव में एआई के फेक वीडियो बिगाड़ सकते हैं खेल

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को असम के भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं से नमो ऐप के माध्यम से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा-एनडीए की हैट्रिक जीत के लिए कार्यकर्ताओं से कड़ी मेहनत करने की अपील की। उन्होंने विपक्षी दलों पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा असम की अस्मिता, सुरक्षा और संस्कृति से सीधे जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को नमो ऐप के जरिए *मेरा बूथ सबसे मजबूत* कार्यक्रम के तहत राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं से बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी दायित्व सौंपती है, उसे निभाने के लिए वे पूरी ताकत लगाते हैं। असम में भाजपा-एनडीए की हैट्रिक लगे, इसके लिए राज्य के पार्टी कार्यकर्ता जबरदस्त मेहनत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बोहाग बिहू और अन्य त्योहारों की तैयारियों के बीच चुनावी अभियान चलाने वाले कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि असम ने लंबे समय तक अस्थिरता, हिंसा और उग्रवाद का दौर देखा था, लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार ने शांति, विकास और सुरक्षा का नया दौर शुरू किया है। पिछले 10 वर्षों में 12 बड़े शांति समझौते हुए हैं जो असम की नई तस्वीर बनाते हैं। संवाद के दौरान विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। सुनितपुर जिले के पंकज हजारी ने कहा कि साल 2016 से पहले असम में अराजकता और उग्रवाद चरम पर था, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद किसानों, व्यवसायियों और शिक्षकों के जीवन में अमूल्य परिवर्तन आया है। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि 18-22 साल के युवा मतदाता केवल पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

बारिश से प्रभावित असम में चुनाव प्रचार, दलों की रफ्तार धीमी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में पिछले कई दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान पर असर डालना शुरू कर दिया है। लगातार हो रही बारिश के कारण विभिन्न राजनीतिक दलों के जनसभाओं, रैलियों और घर-घर संपर्क कार्यक्रमों में बाधा उत्पन्न हो रही है। हालांकि, इसी मौसम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान जैसे दिग्गज नेता चुनावी रैलियां तथा सभाएं करके जा चुके हैं। पोलिंग अधिकारी पोस्टल बैलट लेकर खराब -शेष पृष्ठ दो पर

जालुकबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में पोस्टल मतदान शुरू घर-घर जाकर वोट एकत्र कर रहे चुनाव कर्मी

गुवाहाटी (हि.स.)। आसन्न विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग के निर्धारित नियमों के अनुसार जालुकबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में पोस्टल मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभी मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है, इसकी जानकारी प्रशासनिक सूत्रों ने दी है। विशेष रूप से वे मतदाता जो मतदान के दिन शारीरिक अस्वस्थता, वृद्धावस्था या अन्य कारणों से मतदान केंद्र पर उपस्थित होकर वोट देने में असमर्थ हैं, उनके लिए इस पोस्टल बैलेट व्यवस्था को लागू किया गया है। निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त अधिकारी निर्धारित नियमों का पालन करते हुए घर-घर जाकर इन मतदाताओं से पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोट एकत्र कर रहे हैं। इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी नागरिक अपने मताधिकार के प्रयोग से वंचित न रह जाए। 5 नंबर वार्ड के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) सत्यनारायण गोस्वामी ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस पर साधा निशाना

गुवाहाटी/जागीरोड (हि.स.)। असम के जागीरोड क्षेत्र के देवशाल में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक विशाल चुनावी सभा आयोजित की गई, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने जागीरोड विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार पीयूष हजारिका के समर्थन में प्रचार किया। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार असम के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा असम और पूर्वोत्तर के लगातार दौरों से क्षेत्र को नई पहचान मिली है, जबकि कांग्रेस के शासनकाल में राष्ट्रीय स्तर के नेताओं का इस तरह का जुड़ाव देखने को नहीं मिला। -शेष पृष्ठ दो पर

खोखला है कांग्रेस का घोषणापत्र, 15-17 सीटें ही मिलेंगी : सीएम

गुवाहाटी। विधानसभा चुनाव में नौ दिन शेष रहते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को ऊपरी असम के प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार करते हुए कांग्रेस पर अपना हमला तेज कर दिया, उसके घोषणापत्र की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया और भाजपा की निर्णायक जीत का दावा किया। सिसीबोरगांव और बाद में सादिया में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए, शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस राज्य के लिए एक विश्वसनीय दृष्टिकोण प्रस्तुत करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कुछ भी नहीं लिखा है। इसमें एक भी ऐसा वादा नहीं है जिसे लोग याद रख सकें, नौकरियों की संख्या को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है और शिक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने 29 मार्च को नाउबैसा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा किए गए घोषणापत्र के शुभारंभ पर निशाना साधते हुए इस कदम को असम के प्रति *अपमानजनक* बताया। खड़गे ने भारत रत्न का दर्जा देते समय हमारे सांस्कृतिक प्रतीक की आलोचना की, और उनके बेटे (प्रियांक खड़गे) ने जागीरोड में सेमीकंडक्टर परियोजना को लेकर हमारा मजाक उड़ाया। घोषणापत्र का अनावरण करने के लिए उन्हें आमंत्रित करना असम की जनता और युवाओं का अपमान है, शर्मा ने आरोप लगाया। चुनावी नतीजों का अनुमान लगाते हुए शर्मा ने कहा कि 126 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को 20 सीटों का आंकड़ा पार करने में भी मुश्किल होगी। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दंड से संपदा का आयोजन होता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के चार सदस्य मारे गए, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। मणिपुर के कामजोंग जिले में एक प्रतिबंधित संगठन के चार सदस्यों की प्रतिद्वंद्वी गुट के सदस्यों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात नौ बजे होंगबेई गांव में हुई। पुलिस ने रविवार सुबह घटनास्थल पर जांच कर एनएससीएन ईस्टर्न फ्लैंक के चार -शेष पृष्ठ दो पर

2.37 लाख दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाता करेंगे घर से ही मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग 85 वर्ष से अधिक आयु और द्विव्यांग मतदाताओं को घर से मतपत्रों के जरिए मतदान की सुविधा प्रदान करता है। केरल, असम और पुडुचेरी में अबतक 2.37 लाख पात्र मतदाताओं ने इस सुविधा के लिए आवेदन दिया है। इन राज्यों में 9 अप्रैल को मतदान है। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि केरल में 1.45 लाख, असम में 19 हजार और पुडुचेरी में दो हजार से अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

1 और 2 अप्रैल को असम चुनाव प्रचार में उतरेंगे राहुल-प्रियंका

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा अगले महीने की शुरुआत में असम में होने वाले महत्वपूर्ण चुनाव में उतरेंगे ताकि भाजपा शासित पूर्वोत्तर राज्य में कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटा सकें। सभी 126 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होगा और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के नियमों के अनुसार, चुनाव प्रचार 7 अप्रैल की शाम को समाप्त होगा। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि 1 अप्रैल को प्रियंका -शेष पृष्ठ दो पर

देश अब नक्सलवाद से मुक्त, गोली का जवाब गोली से मिलेगा : शाह

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त कराने के प्रयासों पर चर्चा के दौरान अपना संबोधन दिया। इस दौरान शाह ने कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग-लगभग समाप्त हो चुका है। बस्तर के अंदर हर गांव में स्कूल बनाने की मुहिम चली। बस्तर के अंदर हर गांव में राशन की दुकान खोलने की मुहिम चली। अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं इतना ही पूछना चाहता हूं कि नक्सलवाद को जो लोग यहां पर वकालत कर रहे थे कि ये 70 से अब तक क्यों नहीं मिला। पूरे देश को 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश के हर गरीब को घर मिला, गैस मिला, शुद्ध पीने का पानी मिला, 5 लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा मिला, प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज मिला, लेकिन ये बस्तर वाले क्यों छूट गए थे। शाह ने कहा कि ये बस्तर वाले इसलिए छूट गए थे, क्योंकि वहां लाल आतंक का परछाई थी, इसलिए -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूलों-दफ्तरों में बम की फर्जी धमकी देने वाला गिरफ्तार

1100 से ज्यादा मेल कर मचाई थी दहशत

नई दिल्ली। दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में स्कूलों, हाई कोर्ट और सरकारी ऑफिसों में बम की धमकी देकर दहशत फैलाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी युवक को कर्नाटक के मैसूर से दबोचा है। पकड़े गए आरोपी की पहचान 47 वर्षीय श्रीनिवास लुईस के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को कर्नाटक पुलिस की सहायता से दबोचा है। आरोपी के पास से एक लैपटॉप और कई सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। इन सभी को जब्त -शेष पृष्ठ दो पर

16 अप्रैल से शुरू होगी जनगणना

नई दिल्ली। भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने आज लोगों से जनगणना करने वालों को सही जानकारी देने की अपील करते हुए आश्वस्त किया कि व्यक्तिगत डेटा गोपनीय रहेगा तथा इसे किसी साक्ष्य या किसी योजना का लाभ लेने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जनगणना अधिनियम की धारा 15 के तहत सभी व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रहती है। हम आपको बता दें कि दिल्ली समेत देश के कुछ राज्यों में अप्रैल में 16वीं जनगणना का पहला चरण शुरू होने से पहले संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली में जनगणना 16 अप्रैल से 15 मई तक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान एकत्र किया गया सभी व्यक्तिगत डेटा गोपनीय रहता है। इसे सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत साझा नहीं किया जा सकता, न ही अदालत में साक्ष्य के रूप में उपयोग किया जा सकता है और न ही किसी सरकारी या निजी संस्था के साथ साझा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकीय डेटा का उपयोग केवल संकलन के लिए किया जाएगा। जाति को जनगणना में शामिल करने और लोगों द्वारा सही जानकारी नहीं दिए जाने की आशंका के बारे में पूछे जाने पर महापंजीयक ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

गृह मंत्रालय ने ब्लॉक किए 8 लाख सिम और 83 हजार व्हाट्सएप अकाउंट

नई दिल्ली। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तहत आने वाली साइबर विंग *आई4सी* ने देश में बढ़ते साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया है। साल 2025 से अब तक चली इस सघन कार्रवाई में अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हजारों व्हाट्सएप अकाउंट्स, सिम कार्ड और मोबाइल डिवाइसेस को पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया गया है। साइबर ठग अक्सर व्हाट्सएप और स्काइप जैसे प्लेटफॉर्म्स का सहारा लेकर लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। आई4सी ने इस नेटवर्क को तोड़ते हुए 83,867 व्हाट्सएप अकाउंट और 3,962 स्काइप आईडी को ब्लॉक कर दिया है। इसके साथ ही, ठगी के उद्देश्य से तैयार किए गए 827 मोबाइल ऐप्स को भी पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। दूरसंचार विभाग और टेलीकॉम कंपनियों के साथ मिलकर गृह मंत्रालय ने 8.45 लाख संदिग्ध सिम कार्ड को बंद कर दिया है। तकनीकी स्तर पर अपराधियों को रोकने के लिए 2.39 लाख मोबाइल आईएमईआई नंबरों को भी ब्लैकलिस्ट किया गया है, जिसका अर्थ है कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

मुख्यमंत्री ने माजुली रोडमैप का अनावरण किया

मेडिकल कॉलेज और कटाव रोधी सुरक्षा कवच का वादा किया

गुवाहाटी। ऊपरी असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अभियान को तेज करते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को पार्टी उम्मीदवार भुबन गम के लिए प्रचार करते हुए माजुली के लिए प्रमुख विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला की घोषणा की। नदी द्वीप में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शर्मा ने माजुली को भविष्य के शैक्षिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए एक बहुआयामी रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें स्वास्थ्य सेवा, उच्च शिक्षा, बुनियादी ढांचा और कटाव नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम माजुली में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करेंगे और माजुली संस्कृति विश्वविद्यालय को पूर्ण विकसित विश्वविद्यालय बनाने के लिए 250 करोड़ रुपए स्वीकृत करेंगे। हमारा लक्ष्य माजुली को एक शैक्षिक केंद्र में बदलना है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और अन्य विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बुनियादी ढांचे की कमियों को उजागर करते हुए, शर्मा ने जिले में एक बड़ा सांस्कृतिक स्थल बनाने की योजना की भी घोषणा की। जब भी मैं माजुली जाता हूं, मुझे एहसास होता है कि वहां कोई उचित सभागार नहीं है। हम 2,000 लोगों की क्षमता वाला एक सभागार बनाएंगे, उन्होंने आगे कहा। मुख्यमंत्री ने बार-बार आने वाली बाढ़ और कटाव से माजुली नदी की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया और नदी तट संरक्षण के लिए एक बड़ी पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऊपरी से निचले माजुली तक जियो-ट्यूब तटबंधों के विकास के माध्यम से हम लगभग 45,000 बीघा कृषि भूमि को पुन: प्राप्त करने और संरक्षित करने में सक्षम होंगे। यह किसानों के कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। शर्मा ने क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत का भी आह्वान किया, जिसमें श्रीमंत शंकरदेव के आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व और माजुली की वैष्णव विरासत का उल्लेख किया गया। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस निर्वाचन क्षेत्र की उपेक्षा की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए माजुली एक बोझ है। हमारे लिए माजुली एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र है। उन्होंने आगे दावा किया कि कांग्रेस नेता अपने कार्यकाल के दौरान शायद ही कभी इस द्वीप पर आए थे। पिछले पांच वर्षों में, मैंने माजुली का कम से कम 15 बार दौरा किया है। मेरे और पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल द्वारा किए गए दौरों की संख्या की बराबरी पिछले सभी कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों द्वारा किए गए दौरों की कुल संख्या को भी जोड़ दें तो भी नहीं की जा सकती, शर्मा ने कहा। अपनी आलोचना को और तेज करते हुए, शर्मा ने कांग्रेस पर स्वदेशी लोगों के हितों की बजाय कुछ खास वोट बैंकों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि वे माजुली अक्सर नहीं जाते थे, बल्कि उन इलाकों में जाते थे जहां अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी अधिक हैं। उनके लिए ऐसे लोग अधिक महत्वपूर्ण थे। मुख्यमंत्री ने चुनाव को एक वैचारिक विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हुए कांग्रेस के *नए असम* के आख्यान पर सवाल उठाया। क्या इस धरती पर महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव से भी महान व्यक्तित्व का जन्म हुआ है? या सुकफा से भी महान योद्धा का? क्या हम उनके द्वारा गढ़ा गया असम चाहते हैं या कांग्रेस द्वारा गढ़ा गया नया असम? उन्होंने पूछा।

रास में सीएपीएफ विधेयक पर चर्चा, विपक्ष ने कमेटी गठन करने की मांग की

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में सोमवार को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक पर चर्चा की गई। सत्ता पक्ष के सांसदों ने जहां इस विधेयक को देश की *आंतरिक सुरक्षा की मुख्य रेखा* बताया तो वहीं विपक्ष के नेताओं ने इसे वापस लेने या सेलेक्ट कमेटी को भेजने की मांग की। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, सपा सांसद रामगोपाल यादव और कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने बिल का विरोध करते हुए इसे जनविरोधी और अर्धसैनिक बल विरोधी बताया है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को देश की आंतरिक सुरक्षा की मुख्य रेखा बताया। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल जहां सीमाओं की पहली सुरक्षा पंक्ति है, वहीं पुलिस कानून-व्यवस्था संभालती है और सीएपीएफ सीमा के साथ-साथ देश के भीतर भी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार इन बलों के हितों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से काम कर रही है। राजनाथ सिंह के रक्षा मंत्री रहते दुश्मनों की गोलीबारी का जवाब देने की नीति अपनाई गई। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सीमापार गोलीबारी की घटनाएं कम हुई हैं, सिवाय ऑपरेशन सिंदूर के। उन्होंने इस विधेयक को सुव्यवस्थित और प्रभावी बताया। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जब सीएपीएफ माओवाद के खिलाफ लड़ रहा था, तब कांग्रेस सरकार की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की सुपर कैबिनेट ने खुले तौर पर माओवादियों का समर्थन किया और सीएपीएफ की आलोचना की। उनका कहना है कि जब पी. चिदंबरम भारत के गृह मंत्री थे, तब उन्होंने माओवादियों से अपनी विचारधारा न छोड़ने बल्कि बातचीत के लिए आने को कहा था।

योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं मुख्य सेविकाओं को दिए 69,804 स्मार्टफोन

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश की आंगनबाड़ी व्यवस्था को डिजिटल, सशक्त और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। इस अवसर पर उन्होंने 69,804 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन, 18,440 कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने 450 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली विभिन्न बाल विकास एवं महिला कल्याण परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और मुख्य सेविकाओं को 69,804 स्मार्टफोन वितरित किए। यह पहल आंगनबाड़ी सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

स्वदेशी युद्धपोत निर्माण में बड़ी उपलब्धि

भारतीय नौसेना को तीन उन्नत पोतों की डिलीवरी

कोलकाता (हि.स.)। भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को बड़ी मजबूती देते हुए भारतीय नौसेना को सोमवार को कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड में तीन उन्नत स्वदेशी पोतों की डिलीवरी दी गई। जीआरएसई ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पहला पोत *दुनागिरी* (यार्ड 3023) नीलगिरी श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का पांचवां और जीआरएसई में निर्मित दूसरा जहाज है। यह अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट नौसेना की युद्ध क्षमता, मारक क्षमता और तकनीकी दक्षता को नई ऊंचाई देता है।

आईपीएल मैच के दौरान स्टेडियम से 50 से अधिक लोगों के मोबाइल चोरी

चैन्नई। चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच आईपीएल मैच के दौरान प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा। चोरों के एक संगठित गिरोह ने मैच का जश्न मना रहे दर्शकों के मोबाइल फोन को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर चोरी की। एक महिला ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। पीड़ितों ने पुलिस की निष्क्रियता पर नाराजगी जाहिर की है। इस घटना ने सुरक्षा खामियों को उजागर किया है। बेंगलुरु पुलिस द्वारा जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक, स्टेडियम के पी3 स्टैंड से ही करीब 50 से 60 मोबाइल फोन चोरी हो गए। एक पीड़ित महिला ने सोशल मीडिया पर अपना दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मैच की पहली पारी के

दौरान मेरे पति पानी लेने गए थे और उनका फोन चोरी हो गया। हमारे जैसे दर्जनों लोग भी उसी समय अपने फोन खोने से बेहद परेशान हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टेडियम में पुलिस से इस बारे में शिकायत की, लेकिन उन्हें कोई उचित जवाब नहीं मिला। बाद में, जब वे पुलिस स्टेशन गए, तो उन्होंने देखा कि सैकड़ों लोग इसी तरह की शिकायत दर्ज कराने के लिए कतार में खड़े थे। बताया जाता है कि पुलिस ने इस मामले में लगभग 10 से 12 नाबालिगों को हिरासत में लिया है। ये बच्चे टीम की जर्सी पहने और मुफ्त टिकट लिए घूम रहे थे, जिससे उन्हें संदेह है कि यह एक बड़े पैमाने पर संगठित गिरोह का हिस्सा है। चोरों ने इस बात का फायदा उठाया कि दूसरी पारी शुरू होने पर दर्शक खाने-पीने का सामान लेने के लिए अपनी सीटों से उठ गए थे। हालांकि, लोगों ने इस घटना पर आक्रोश व्यक्त किया है और कहा है कि इतने उच्च सुरक्षा वाले स्टेडियम में ऐसी घटना बेंगलुरु पुलिस और स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर करती है।

पृष्ठ एक का शेष

अमेरिका के साथ...

समकक्षों के साथ कई घंटों तक बातचीत की मेजबानी की। इशाक डार ने एक टेलीविजन बयान में कहा कि पाकिस्तान में आए हुए मंत्रियों ने इस्लामाबाद में होने वाली संभावित यूएस-ईरान वार्ता के लिए अपना पूरा समर्थन जाहिर किया है। इशाक डार ने यह भी दावा किया कि उन्होंने और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कई बार ईरान सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से बातचीत की है। डार ने दावा किया कि वो ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची से भी बात कर चुके हैं। इस्लामाबाद में रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच बातचीत हुई, लेकिन इसमें अमेरिका, इजरायल या ईरान का कोई भी प्रतिनिधि शामिल नहीं था। पाकिस्तान के मिडिल ईस्ट में युद्ध रुकवाने के प्रस्ताव पर ईरान ने अमेरिका के साथ सीधी बातचीत करने से साफ मना कर दिया है।

असम चुनाव में एआई के ...

10 साल की शांति को जानते हैं, इसलिए बूथ कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि उन्हें पुराने दिनों की हिंसा और कांग्रेस की नीतियों की याद दिलाएं। भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर भजन संध्या, विरासत उत्सव और योजनाओं पर चर्चा के कार्यक्रम आयोजित करें ताकि नई पीढ़ी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचे। तामलपुर जिले के धनेश्वर ने बोड़ोलैंड समझौते के बाद आए बदलाव को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि वह पार्टी कार्यकर्ता होने के साथ साथ वे व्यवसायी भी हैं। और राज्य के लोगों को पुरानी सरकार की कुरीतियों के बारे में बताते भी हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि बोड़ोलैंड आज पूरे विश्व के लिए प्रेरणा बन गया है, जहां पहले कर्फ्यू और धमाके होते थे, आज शांति और सांस्कृतिक धुनें गूंज रही हैं। उन्होंने कहा कि बंदूक छोड़कर कलम थामने वाले पूर्व उग्रवादियों और उनकी माताओं के अनुभव साझा करने के कार्यक्रम बूथ स्तर पर आयोजित करें। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों की सूची बनाएं और उन्हें टोली बनाकर वोट डालने के लिए प्रेरित करें। नगांव जिले की दीपी दास ने कहा कि वह पिछले 9 साल से भाजपा के साथ लोगों की सेवा के लिए जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) का लाभ मिला था। उसी धनराशि से उन्होंने जमीन लेकर तालाब बनवाया और मछली पालन शुरू किया। वह बच्चों को पढ़ाती भी हैं। वह भाजपा के साथ जुड़ी हुई हैं और लोगों को सरकार की तरफ से जागरुक भी कर रही हैं। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने नारी शक्ति को नए असम की सबसे बड़ी ताकत बताया और अरुणोदय योजना, लखपति दीदी अभियान जैसी योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देशभर में तीन करोड़ और असम में हजारों बहनों को लखपति बनाने का लक्ष्य है। महिलाओं के अनुभवों के शॉर्ट वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा करें और बिहू के मौके पर पारंपरिक वस्त्रों जैसे गमोसा को बढ़ावा दें। वोटिंग के दिन परिवार की हर सदस्य को बूथ तक पहुंचाने की जिम्मेदारी महिलाओं को सौंपी। कारबियांग जिले के देवराज ने घुसपैठियों के मुद्दे को असम के लिए जीवन-मरण का विषय बताया। उन्होंने कहा कि वह पिछले 15 सालों से भाजपा कार्यकर्ता है। वह जोरशोर से पार्टी के लिए मेहनत कर रहे हैं। राज्य में घुसपैठियों की बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि उनके जिले में हमेशा से घुसपैठ बहुत बड़ी चिंता रही है। कांग्रेस ने इन्हीं घुसपैठियों को वोटबैंक बना रखा है। उन्हें बांग्लादेश वापस खदेड़ने के लिए पूरा असम एक है। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि घुसपैठ असम की पहचान, सुरक्षा, किसानों की जमीन, आदिवासियों की रोजी-रोटी और महिलाओं के सम्मान से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि अवैध कब्जों की जानकारी रखें, पीड़ितों के वीडियो शेयर करें और लोगों को बताएं कि कांग्रेस ने अतिक्रमण दिया जबकि भाजपा अधिकार दे रही है। बाहर रह रहे युवा मतदाताओं को घर बुलाने और वोटिंग व्यवस्था बनाने को कहा। तिनसुकिया विधानसभा से चाय बागान क्षेत्र के अर्जुन ग्वाला ने भूमि पट्टे मिलने से मजदूरों में आए बदलाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वह भाजपा तिनसुकिया किसान मोर्चा के सचिव हैं। उनका चाय बागान है। वह राज्य में भाजपा को जिताने के लिए तत्पर हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि चाय बागान के लोग 200 साल से असम की पहचान हैं और भूमि पट्टा उनके बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने चाय बागानों में टी-गार्डन वर्कर्स की बैठकें आयोजित करने, पुरानी मुश्किलों और नए बदलाव की चर्चा करने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम के हजारों बूथ कार्यकर्ता ही उनका हाथ, पैर, कान और नाक हैं। उन्होंने रिकॉर्ड मतदान और रिकॉर्ड जीत का लक्ष्य रखने की अपील की।

बारिश से प्रभावित असम ...

मौसम के बावजूद घर-घर घूम कर चुनाव अभियान चला रहे हैं। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की चुनावी रैलियों में खराब मौसम के बावजूद लाखों लोगों की भीड़ प्रत्येक दिन जुट रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई भी हर दिन चुनावी सभाएं कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल को होने वाले हैं, जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, असम गण परिषद (अगप) समेत अन्य दलों ने अपने-अपने स्तर पर व्यापक प्रचार अभियान शुरू किये हैं। हालांकि, मौसम की खराब स्थिति के चलते कई जगहों पर कार्यक्रम स्थगित करने पड़े हैं, जबकि कुछ स्थानों पर कम संख्या में ही लोग सभाओं में पहुंच पा रहे हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं का कहना है कि बारिश के बावजूद वे डिजिटल माध्यमों और छोटे समूहों के जरिए प्रचार जारी रखने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, कार्यकर्ताओं को भी मौसम की परिस्थितियों के अनुसार रणनीति में बदलाव करने के निर्देश दिए गए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो इसका असर मतदान प्रतिशत पर भी पड़ सकता है। फिलहाल सभी दल मौसम की चुनौती के बीच अपनी चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं।

जालुकबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र...

37 नंबर जालुकबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत 113 नंबर पोलिंग स्टेशन में सोमवार को सफलतापूर्वक पोस्टल मतदान संपन्न हुआ। इस दिन रेवा रानी धर और सुधीर कुमार घोष ने पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव कर्मियों ने बताया कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सभी आवश्यक दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। प्रत्येक चरण में निर्वाचन आयोग के नियमों का पालन करते हुए मतदान कराया जा रहा है, ताकि मतदान की गोपनीयता और सुरक्षा बनी रहे। प्रशासन की ओर से आशा जताई जा रही है कि इस पोस्टल मतदान व्यवस्था के माध्यम से अधिक संख्या में मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर सकेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय ...

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण में भूमिका की सराहना करते हुए जनता से अपील की कि विकास को गति देने के लिए पीयूष हजारिका को भारी मतों से विजयी बनाएं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के समय बाहरी निवेशक असम में निवेश करने से कतराते थे, लेकिन भाजपा के पिछले 10 वर्षों के शासनकाल में निवेश का माहौल पूरी तरह बदल गया है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, एनडीए उम्मीदवार रमाकांत देउरी, शशिकांत दास, डॉ. तपन दास, खलीलुर रहमान, अनिल सैकिया सहित कई अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभा में हजारों लोगों की उपस्थिति को लेकर उम्मीदवार पीयूष हजारिका ने कहा कि इससे उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ है। उल्लेखनीय है कि, राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन असम के दो दिवसीय दौरे पर रविवार को डिब्रूगढ़ पहुंचे थे। जहां उन्होंने मोहनबाड़ी हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इसके बाद वे चुनाव प्रचार करने तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लखीमपुर जिले के बिहपुरिया में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित किया। खराब मौसम के बावजूद राष्ट्रीय अध्यक्ष की सभाओं में लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

खोखला है कांग्रेस का ...

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को लगभग 15 से 17 सीटें मिलेंगी, एआईयूडीएफ को 5 से 6, रायजोर दल शायद केवल ढिंग में ही जीत पाएगी, और एजेपी अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। उन्होंने आगे कहा कि मतदाताओं ने भाजपा के शासन और कांग्रेस के पिछले शासन के बीच का अंतर देख लिया है। जुबीन गर्ग मामले में न्याय दिलाने के कांग्रेस के दावों का जवाब देते हुए, शर्मा ने जोर देकर कहा कि न्यायिक प्रक्रियाओं को राजनीतिक आश्वासनों से प्रभावित नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब न्याय का फैसला न्यायपालिका करती है तो सरकार न्याय कैसे दे सकती है? न्याय अदालतों द्वारा दिया जाता है, मुख्यमंत्री द्वारा नहीं। उन्होंने विपक्ष पर *अवास्तविक वादों* और भावनात्मक अपीलों के माध्यम से मतदाताओं को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार की भूमिका केवल आरोप पत्र दाखिल करने और यह सुनिश्चित करने तक सीमित है कि आरोपी हिरासत में रहें। एक भी आरोपी सामने नहीं आया है। यह भाजपा की उपलब्धि है, उन्होंने कहा। तुलना करते हुए, शर्मा ने अतीत के मामलों में न्याय दिलाने के मामले में कांग्रेस के रिकॉर्ड पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि अगर वे इतनी जल्दी न्याय दिला सकते थे, तो राजीव गांधी की हत्या जैसे मामलों में सालों क्यों लग गए? बाद में सादिया में मुख्यमंत्री ने भाजपा की निर्णायक जीत का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम 90 से 100 सीटें जीतेंगे। 90 का आंकड़ा पार करना निश्चित है। शर्मा ने आगे कहा कि भाजपा ने दिन के दौरान माजुली, नाउबैसा, सिस्सिबोरगांव और सादिया सहित विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है, और शाम को डिब्रूगढ़ में एक रोड शो निर्धारित है।

1 और 2 अप्रैल को ...

गांधी और उसके बाद 2 अप्रैल को राहुल गांधी के दौरे से पार्टी के चुनाव प्रचार को गति मिलेगी और अगले कुछ दिनों में यह अपने चरम पर पहुंचेगा। कांग्रेस 2016 से असम में विपक्ष में है और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर पर भरोसा कर रही है, जिन्होंने महत्वपूर्ण चुनाव से कुछ दिन पहले ही भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं को अपने पाले में कर लिया था। ये नेता असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा और नागांव के पूर्व लोकसभा सांसद प्रद्युत बरदलै थे। कांग्रेस प्रबंधकों ने दो वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने को कम महत्व देते हुए कहा कि मतदाताओं के बीच उनकी पोल खुल चुकी थी और उनके जाने से पार्टी की संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पार्टी का दावा था कि असम के मतदाता 2026 के विधानसभा चुनावों में बदलाव देखना चाहते हैं। हमारे शीर्ष नेताओं के दौरे से चल रहे चुनाव प्रचार को बल मिलेगा। हमारी रैलियों में अच्छी भीड़ जुट रही है और हमें उम्मीद है कि हम इसे वोटों में तब्दील कर पाएंगे। लोग भाजपा से तंग आ चुके हैं। भ्रष्टाचार, अधूरे वादे और बढ़ती बेरोजगारी को लेकर मतदाताओं में असंतोष है और वे इस बार बदलाव लाना चाहते हैं, असम के प्रभारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव मनोज चौहान ने ईटीवी भारत को बताया। अधूरे वादों के अलावा, कांग्रेस के प्रबंधक भाजपा नेताओं द्वारा बाहरी लोगों के मुद्दे को उठाने से भी नाराज हैं, उनका कहना है कि अगर उन्हें तीसरी बार सत्ता में वोट दिया गया तो वे उन्हें बाहर निकाल देंगे। यह तो चुनावी मुद्दा ही नहीं है। भाजपा बाहरी लोगों के मुद्दे को सिर्फ जनता का ध्यान भटकाने और मतदाताओं को ध्रुवीकृत करने के लिए उठा रही है। वे 2016 से राज्य में और 2014 से केंद्र में सत्ता में हैं। इतने सालों तक उन्होंने इस मुद्दे पर ध्यान क्यों नहीं दिया? मतदाताओं की चिंताओं को दूर करने के बजाय, सरकार जवाबदेही से बचती जा रही है, चौहान ने कहा। कांग्रेस के प्रबंधक पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा हाल ही में घोषित सामाजिक कल्याण गारंटियों पर भी भरोसा कर रहे हैं ताकि पार्टी के पक्ष में माहौल को मोड़ा जा सके। पार्टी ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का मुकाबला करने के लिए वामपंथी दलों, रायजोर दल, असम जातीय परिषद, जेडीए और एपीएचएलसी जैसी कुछ क्षेत्रीय पार्टियों के साथ सीट-बंटवारे का फार्मूला तैयार किया है। इन वादों में सबसे अहम हैं 10 लाख आदिवासियों को भूमि स्वामित्व दिलाना और सिंगापुर में रहस्यमय तरीके से मृत गायक जुबीन गर्ग को न्याय दिलाना। असम में कांग्रेस के दोनों वरिष्ठ पर्यवेक्षक, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिव कुमार, बदलाव के लिए जनता के रुझान पर जोर दे रहे हैं और राजधानी गुवाहाटी के ठीक बाहर स्थित उनके स्मारक पर दिवंगत गायक को श्रद्धांजलि अर्पित की। असम के एआईसीसी प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि जुबीन दा पूरे असम की आवाज और पूर्वोत्तर की भावनाओं के प्रतीक थे। राज्य अपने आदर्श के लिए एकजुट है और न्याय की मांग कर रहा है। लेकिन सरकार जनभावनाओं से सहज नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा गठबंधन वास्तव में मतदाताओं की इच्छाओं को दर्शाता है। प्रियंका ने स्क्रीनिंग पैनल की प्रमुख के रूप में चुनाव लड़ रहे 100 पार्टी उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग की। संभावना है कि वह डिब्रूगढ़ जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित करेंगी, एक कांग्रेस उम्मीदवार के लिए और दूसरा एजेपी उम्मीदवार के लिए। हमारा गठबंधन अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। पार्टी का प्रचार अभियान ज़ोर पकड़ रहा है। मतदाताओं को यह एहसास हो गया है कि भाजपा लाखों निवासियों को दिए गए भारी भत्तों पर निर्भर है और पिछले पांच वर्षों में उसने कुछ खास काम नहीं किया है। अगर भाजपा को इस बार इतना ही भरोसा होता, तो वह कांग्रेस के कई बागियों को टिकट नहीं देती। इसी वजह से भाजपा के कई पुराने नेताओं में निराशा पैदा हुई और उन्होंने पार्टी छोड़ दी, पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन घाटवार ने बताया। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस स्थानीय गौरव को बहाल करने की बात कर रही है, और यह मुद्दा मतदाताओं को पसंद आ रहा है।

देश अब नक्सलवाद...

वहां विकास नहीं पहुंचा। मोदी सरकार में आज वो परछाई हट गई है, और इसलिए आज बस्तर विकास कर रहा है। ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, जो हथियार उठाएगा, उसका हिसाब चुकता होगा। गृह मंत्री ने पिछली सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि 75 साल में 60 साल तो शासन आपने किया, आदिवासी अभी तक विकास से क्यों महरूम रहे? 60 साल आपने उन्हें घर नहीं दिया, पानी नहीं दिया, स्कूल नहीं बना, बैंक की फैसिलिटी नहीं पहुंचने दिया, इसलिए पहले थोड़ा अपनी गिरेबान में झांककर देखो कि दोषी कौन है। शाह ने अपने संबोधन में इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वामपंथी विचारधारा के कारण ये नक्सलवाद फैला है, राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए इंदिरा गांधी ने भी स्वीकार की थी। मनमोहन सिंह ने पूरे देश के सामने स्वीकार किया था कि कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट की तुलना में भी देश में आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी समस्या माओवादी हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अमित शाह ने वामपंथी संगठनों से पूछा कि आपका लड़ने का तरीका क्या है, हम अंग्रेजों के शासन में नहीं रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने भगत सिंह जी और बिरसा मुंडा से तुलना ऐसे लोगों से कर दी, जो अक्षम्य है। आपलोग क्या हिमाकत कर रहे हैं। शहीद भगत सिंह और भगवान बिरसा मुंडा, जो अंग्रेजों के सामने लड़े, और आप उनकी तुलना संविधान तोड़कर, हाथ में हथियार लेकर निर्दोषों की हत्या करने वालों से कर रहे हैं?

स्कूलों-दफ्तरों में बम ...

कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे मैसूर कोर्ट में पेश किया, जहां से ट्रांजिट रिमांड पर पुलिस उसे दिल्ली लेकर आ रही है। आरोपी से आगे की पूछताछ दिल्ली में की जाएगी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने अकेले ही यह कृत्य किया या इसमें उसका कोई साथी भी शामिल था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आरोपी के लैपटॉप को खंगाला जा रहा है। अभी तक की जांच में 1,100 ई-मेल भेजे जाने की बात सामने आई है। आरोपी ने ये ई-मेल क्यों भेजे, इसके पीछे उसका क्या मकसद था। ऐसे ही कई सवालों के जवाब के लिए आरोपी से जल्द पूछताछ शुरू की जाएगी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के एक अधिकारी के मुताबिक, आरोपी श्रीनिवास लुईस को गुरुवार को मैसूर के वृंदावन लेआउट में स्थित एक मकान से पकड़ा गया है। जांच करने पर पता चला है कि आरोपी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग जगहों से धमकी भरे ई-मेल और मैसेज भेजता था। दिल्ली हाई कोर्ट के जज को भी आरोपी द्वारा एक धमकी भरा ई-मेल भेजा गया था। जज की शिकायत के बाद अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि, कई हफ्तों तक चली तकनीकी पड़ताल के बाद श्रीनिवास लुईस की पहचान हो पाई। पूछताछ करने पर आरोपी धमकी भरे मैसेज भेजने की बात कबूल की है। पुलिस जांच में पता चला है कि बंगलूरू का रहने वाला श्रीनिवास पोस्टग्रेजुएट है। फिलहाल उसके पास कोई रोजगार नहीं है, वह बेरोजगार है और अपनी मां के साथ रहता है। उसकी मां रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी हैं। मां की आने वाली पेंशन पर ही घर चलता है।

16 अप्रैल से शुरू ...

कि जाति से संबंधित डेटा दूसरे चरण में एकत्र किया जाएगा और इसके प्रश्न व्यापक चर्चा के बाद तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि व्यक्तिगत डेटा पूरी तरह गोपनीय रहेगा और इसका उपयोग किसी सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए नहीं किया जा सकता, इसलिए इसके दुरुपयोग की आशंका निराधार है। मृत्युंजय कुमार नारायण ने बताया कि पहली बार स्व-गणना की व्यवस्था शुरू की गई है, जिसमें लोग जनगणना के पहले चरण (हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना) से पहले 15 दिनों की अवधि में डिजिटल रूप से अपनी जानकारी जमा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पहले डेटा कागज पर एकत्र किया जाता था, जिससे डिजिटलीकरण में काफी समय लगता था। अब शुरुआत से ही डिजिटल डेटा मिलेगा, इसलिए हम बहुत जल्दी डेटा जारी कर सकेंगे। कई डेटा सेट 2027 में ही प्रकाशित किए जाएंगे। मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि यह सुविधा केवल देश में रहने वाले लोगों के लिए उपलब्ध होगी, विदेश में रहने वालों के लिए नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान किसी भी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। आयुक्त ने यह भी बताया कि डेटा मोबाइल ऐप के माध्यम से एकत्र किया जाएगा, और एक वेब पोर्टल जनगणना और हाउस लिस्टिंग की विभिन्न गतिविधियों की निगरानी व प्रबंधन करेगा। डेटा की सुरक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डेटा सेंटरों को *क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर* घोषित किया गया है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनसंख्या पंजी (एनपीआर) के अद्यतन को लेकर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है और इसका चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से कोई संबंध नहीं है।

गृह मंत्रालय ने ब्लॉक ...

अब उन मोबाइल हैंडसेट्स का उपयोग किसी भी नेटवर्क पर नहीं किया जा सकेगा। डिजिटल सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए सहयोग पोर्टल की मदद से इंटरनेट पर मौजूद 1,11,185 संदिग्ध और आपत्तिजनक सामग्रियों को हटाया गया है। मंत्रालय अब उन गिरोहों की पहचान करने में जुटा है जो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सिम कार्ड और अकाउंट्स ऑपरेट कर रहे थे। इस बढ़ी कार्रवाई से साइबर अपराधियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है और आम नागरिकों को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने के लिए मंत्रालय लगातार अपनी निगरानी बढ़ा रहा है।

मणिपुर में प्रतिबंधित ...

सदस्यों के शव बरामद किए। एनएससीएन ईस्टर्न द्वारा जारी बयान के अनुसार, प्रतिद्वंद्वी समूह के सदस्यों ने छह कार्यकर्ताओं को ले जा रही गाड़ी को रोककर उन पर गोलियां बरसाईं। चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य जान बचाने में सफल रहे। इस बीच खबरों के अनुसार, मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन पीएलए और यूपीपीए के उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस के अनुसार सुरक्षा बलों ने वसूली करने वाले पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी आफ कांगलेइपाक (यूपीपीके) के एक-एक कैडर को शनिवार को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए पीएलए कैडर की पहचान थोकचोम खेलजीत मैतेयी उर्फ कैनी के रूप में हुई है। उसके पास से मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। यूपीपीके कैडर की पहचान इंफाल पूर्वी जिले के खारीबाम बोयनाओ मैतेयी के रूप में हुई है।

2.37 लाख दिव्यांग...

वरिष्ठ एवं द्विव्यांग मतदाओं ने इस सुविधा के लिए आवेदन किया है। आवेदन करने वालों में 1.67 लाख वरिष्ठ नागरिक (53.5 प्रतिशत) एवं 70 हजार से अधिक द्विव्यांग मतदाता (15.22 प्रतिशत) हैं। इन सभी को आयोग की ओर से जानकारी दी जाएगी की कब मतदान कर्मी राजनीतिक प्रतिनिधियों के साथ उनके घर मतदान के लिए आएंगे। यह प्रक्रिया 5 अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी। आयोग की ओर से पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होती है। सुविधा के लिए ऐसे मतदाताओं को अधिसूचना जारी होने की तारीख से 5 दिनों के भीतर अपने संबंधित *रिटर्निंग अधिकारी* के पास आवेदन करना होता है।

तापमान

अधिकतम 30° | न्यूनतम 19°

मतदाताओं ने उठाया घर बैठे मतदान की सुविधा का लाभ

गुवाहाटी (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग ने वर्ष 2026 के विधानसभा आम चुनावों और उपचुनावों के तहत 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर से पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान की वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध कराई है। आयोग के अनुसार अन्य राज्यों के साथ ही असम में मतदाताओं को घर से मतदान की अनुमति दी गई है। इनमें वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। निर्वाचन अधिकारियों की टीम मतदाताओं के घर जाकर मतदान प्रक्रिया पूरी कर रही है, जिसकी जानकारी पहले से दी जाएगी। यह प्रक्रिया 5 अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी। मतदान की गोपनीयता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है तथा सुरक्षा व्यवस्था भी मौजूद रह रही है।

पांच लाख भाजपाइयों ने लिया प्रधानमंत्री के *मेरा बूथ सबसे मजबूत* कार्यक्रम में हिस्सा

गुवाहाटी (हिंस)। असम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के *मेरा बूथ सबसे मजबूत* कार्यक्रम में सोमवार को पांच लाख से अधिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। यह जानकारी प्रदेश भाजपा की ओर से जारी एक बयान में दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन को असम के विकास की गति को और तेज करने के लिए *आशीर्वाद स्वरूप* बताया। दोपहर 1 बजे आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्यभर के बूथ और शक्ति केंद्र स्तर के कार्यकर्ताओं को जोड़ा गया, जिसका उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करना है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने असम के विभिन्न क्षेत्रों से चुने गए पांच कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत भी की और स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की। प्रदेश भाजपा

अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि यह पहल कार्यकर्ताओं को और अधिक सक्रिय बनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतने के लिए समर्पित भाव से काम करते हैं। प्रदेश प्रवक्ता रंजीब शर्मा के अनुसार, राज्य के कुल 6,348 शक्ति केंद्रों में से 4,500 से अधिक केंद्रों पर पांच लाख से अधिक कार्यकर्ता एकत्र होकर प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने भी गुवाहाटी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी भवन में कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। इधर, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन ने अपने दो दिवसीय असम दौरे के बाद सोमवार को नई दिल्ली रवाना हुए। अपने दौरे के दौरान उन्होंने मोरीगांव जिले के जागीरोड स्थित देवशाल मैदान में आयोजित *विजय संकल्प यात्रा* के तहत एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित किया। यह सभा पार्टी प्रत्याशी और मंत्री पियूष हजारिका के समर्थन में आयोजित की गई थी, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया भी उपस्थित थे। हालांकि, प्रतिकूल मौसम के कारण नीतिन नवीन गोलाघाट जिले के बोकाखात में आयोजित एक अन्य चुनावी सभा में शामिल नहीं हो सके।

तामुलपुर में ईवीएम और वीवीपैट का द्वितीय रैंडमाइजेशन संपन्न

कोकराझाड़ (हिंस)। आसन्न असम विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत तामुलपुर जिले में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और मतदाता सत्यापन योग्य कागजी ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) का द्वितीय रैंडमाइजेशन सफलतापूर्वक रविवार को संपन्न किया गया। यह प्रक्रिया जिला आयुक्त कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। सोमवार को जिला चुनाव कार्यालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में 43-तामुलपुर (एसटी) एवं 44-गोरेश्वर विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, सामान्य प्रेक्षक, चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी या उनके निर्वाचन अभिकर्ता उपस्थित रहे। ईवीएम मैनेजमेंट सिस्टम 2.0 के माध्यम से ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का

आवंटन मतदान केंद्रवार किया गया। जिले में कुल 482 मतदान केंद्र हैं, जिनमें 43-तामुलपुर (एसटी) विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 250 और 44-गोरेश्वर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 232 मतदान केंद्र शामिल हैं। सभी मतदान केंद्रों के लिए आवश्यक ईवीएम और वीवीपैट की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही, मतदान के दिन किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में मशीनों को रिजर्व में भी रखा गया है। द्वितीय रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद, मतदान केंद्रवार ईवीएम और वीवीपैट की सूची तैयार कर सभी प्रत्याशियों के साथ साझा की गई। जिला प्रशासन ने बताया कि यह प्रक्रिया चुनाव प्रबंधन में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोकराझाड़ में फ्लाइंग स्क्वॉड ने 57 लाख रुपए जब्त किए

कोकराझाड़ (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर कोकराझाड़ जिले में फ्लाइंग स्क्वॉड की टीम ने जांच के दौरान 57 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जब्त की गई राशि कोकराझाड़ के शांति नगर क्षेत्र के एक व्यवसायी की बताई जा रही है। यह कार्रवाई चुनाव संबंधी निगरानी के तहत नियमित जांच के दौरान की गई। अधिकारियों ने बताया कि इतनी बड़ी नकदी किस उद्देश्य से ले जाई जा रही थी और इसे कहां ले जाया जा रहा था, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। मामले की जांच जारी है।

जंगली मशरूम खाने से बच्चे समेत 11 लोग बीमार

तिनसुकिया (हिंस)। ऊपरी असम के तिनसुकिया जिलांतर्गत सदिया में जंगली मशरूम खाने के बाद बच्चे समेत 11 लोग बीमार हो गए। सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि जंगली मशरूम खाने के बाद बीमार लोगों को सादिया के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीमार सभी लोग सादिया के रुक्मिणी देउरी गांव के रहने वाले हैं। मरीजों में वयस्क और नाबालिग दोनों शामिल हैं, जिनकी 2 वर्ष से 60 वर्ष तक बतायी गयी है। बीमार लोगों की पहचान सुम्बारी देउरी (60), अभिजीत देउरी (45), उज्ज्वल देउरी (4), निरंजन देउरी (2), मामोनी देउरी (30), कुजय देउरी (56), मिताली देउरी (55), राधिका देउरी (12), नानी देउरी (35), मनजीत देउरी (19) और प्रोजेश देउरी (20) के रूप में की गयी है। दावा किया गया है कि बीती रात मशरूम खाने के बाद 11 लोग बीमार हो गए, जिन्हें अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। अस्पताल के सूत्रों ने पुष्टि की है कि सभी मरीजों को इलाज मिल रहा है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

असम में मुख्यमंत्री पर संपत्ति वृद्धि को लेकर कांग्रेस का हमला, कई सवाल उठाए

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में राज्य में केवल एक ही परिवार की संपत्ति में भारी वृद्धि हुई है। गुवाहाटी में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर 600-700 प्रतिशत तक संपत्ति वृद्धि कैसे संभव हुई और इसकी जानकारी जनता को दी जानी चाहिए। श्रीनेत ने दावा किया कि चुनाव आयोग में दाखिल हलफनामों के अनुसार मुख्यमंत्री के परिवार, विशेषकर उनकी पत्नी की संपत्ति में असामान्य वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जहां मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत संपत्ति में सीमित वृद्धि हुई, वहीं परिवार की कुल संपत्ति में कई गुना बढ़ोतरी देखी गई, जो पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में रियल एस्टेट, परिवहन, मीडिया, खनन और हॉस्पिटैलिटी जैसे कई क्षेत्रों में मुख्यमंत्री के परिवार का वर्चस्व है। साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि यदि इतनी तेजी से संपत्ति बढ़ी है, तो क्या राज्य की अर्थव्यवस्था में भी उसी स्तर की वृद्धि हुई है और आम जनता को इसका लाभ क्यों नहीं मिला। बेरोजगारी और आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए श्रीनेत ने कहा कि असम के युवा रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं, जबकि राज्य पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की वित्तीय स्थिति आम लोगों के लिए चिंताजनक बनी हुई है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर उन्होंने सरकार की *ढीली नीति* की आलोचना करते हुए कहा कि इससे विवादास्पद स्थितियां पैदा हुई हैं। उन्होंने असम के प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग से जुड़े मामले का उल्लेख करते हुए न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। कांग्रेस की राजनीतिक प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी केवल वादे नहीं करती, बल्कि अपने *पांच गारंटी* को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इनमें महिलाओं को आर्थिक सहायता, छोटे व्यवसाइयों को समर्थन और बुजुर्गों के लिए बेहतर कल्याण योजनाएं शामिल हैं। श्रीनेत ने भाजपा के उस आरोप को भी खारिज किया कि कांग्रेस किसी एक समुदाय की पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सभी वर्गों और समुदायों की पार्टी है और जनता के मुद्दों को उठाती रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी तथ्यों और सच्चाई के आधार पर प्रचार करती है।

फास्ट ट्रैक अदालत में जुबीन गर्ग हत्याकांड की सुनवाई शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। जुबीन गर्ग की कथित हत्या मामले में सोमवार को फास्ट ट्रैक अदालत में सुनवाई का पहला दिन शुरू हुआ, जिससे इस चर्चित मामले में एक महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। अदालत में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के वकीलों ने अपने प्रारंभिक तर्क प्रस्तुत किए। मामले की गंभीरता और इससे जुड़े व्यक्तियों के कारण यह प्रकरण काफी चर्चा में बना हुआ है। गरिमा सैकिया गर्ग ने उम्मीद जताई कि फास्ट ट्रैक अदालत इस मामले में न्याय सुनिश्चित करेगी और अपने फैसले के माध्यम से एक सकारात्मक संदेश देगी। उन्होंने कहा कि परिवार को निष्पक्ष और शीघ्र न्याय की उम्मीद है। मामले की अगली सुनवाई आने वाले दिनों में जारी रहेगी।

प्रतिकूल मौसम के बीच जालुकबाड़ी में मुख्यमंत्री के समर्थन में रिनिकी भुइयां ने किया चुनाव प्रचार

गुवाहाटी (हिंस)। प्रतिकूल मौसम के बावजूद मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने सोमवार को जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री के समर्थन में चुनाव प्रचार जारी रखा। दिन भर के कार्यक्रम के तहत उन्होंने वार्ड संख्या 9 के मालीगांव क्षेत्र में कुल चार चुनावी सभाओं को संबोधित किया। खराब मौसम के बावजूद स्थानीय लोगों की भागीदारी देखी गई, जिससे क्षेत्र में राजनीतिक सक्रियता बनी रही। रिनिकी भुइयां शर्मा ने गौशाला, सटल गेट और गोलपार्क समेत विभिन्न स्थानों पर आयोजित सभाओं में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने मतदाताओं से संवाद कर पार्टी के पक्ष में समर्थन मांगा। यह अभियान आगामी चुनावों को देखते हुए जनसंपर्क को मजबूत करने का हिस्सा है।

नगांव के ग्रामीण इलाकों में भाजपा उम्मीदवार रूपक शर्मा ने चुनाव प्रचार किया

नगांव (निसं)। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पूरे राज्य में राजनीतिक दलों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। 60 नंबर नगांव-बटद्रवा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार रूपक शर्मा पिछले कई दिनों से क्षेत्र में लगातार मैराथन चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। रविवार को उन्होंने क्षेत्र के कटनी पंचायत में आयोजित दो अलग-अलग चुनावी सभाओं में भाग लिया। सबसे पहले उन्होंने हाफिजी मदरसा में और उसके बाद कटनी पंचायत के अहादुर रहमान के निवास पर आयोजित सभा में लोगों को संबोधित किया। इसके बाद जाजरी बस स्टैंड पर भारतीय जनता पार्टी के मुख्य चुनावी कार्यालय का रूपक शर्मा ने औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित सभा के दौरान भाजपा की नीतियों और आदर्शों से प्रभावित होकर लगभग सौ से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा उम्मीदवार ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के 15 साल के शासनकाल में कोई विकास नहीं हुआ, बल्कि केवल व्यक्तिगत लाभ हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार के दौरान राज्य में चारों ओर विकास हुआ है, जिसके कारण जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि नगांव-बटद्रवा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार को जनता पहले ही खारिज कर चुकी है। उनका कहना था कि कांग्रेस उम्मीदवार अब तक अपना चुनावी कार्यालय खोलने के लिए जगह भी नहीं ढूंढ पाई हैं और चुनाव के समय उन्हें पोलिंग एजेंट भी नहीं मिलेंगे। रूपक शर्मा ने कहा कि चुनावी सभाओं में जनता का प्यार, आशीर्वाद और भारी समर्थन इस बात का प्रमाण है कि उनकी जीत निश्चित है।

बदरुद्दीन अजमल का तीखा बयान, मुख्यमंत्री को दी चेतावनी

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने एक बार फिर अपने बयान को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यदि *मियां समुदाय के साथ सख्ती की जाएगी, तो वे भी उसी भाषा में जवाब देंगे।* उन्होंने सोमवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री *मियां लोगों की कमर तोड़ने* की बात करते हैं, तो वे भी मुख्यमंत्री के खिलाफ उसी तरह की कार्रवाई की चेतावनी देते हैं। अजमल ने यह भी कहा कि यदि उनके समुदाय के साथ दबंगई की जाएगी, तो वे भी दबंगई से ही जवाब देंगे। अजमल ने आरोप लगाया कि असम में न तो कोई विकास के कार्य हुए, ना ही लोगों को कोई सुविधा दी गई। राज्य के ना तो अस्पताल सही हैं, न ही शिक्षण संस्थान। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का एकमात्र एजेंडा मियां है और वह हमेशा मियां-मियां करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद हिमंत मियां-मियां के बदले म्याऊं-म्याऊं करते रह जाएंगे। अजमल के इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। विपक्ष और सत्तापक्ष के नेताओं के बीच बयानबाजी तेज होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे चुनावी माहौल और अधिक गर्म हो सकता है।

होजाई में डाक मतदान से घर बैठे वोटिंग शुरू

वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं के लिए खास व्यवस्था

होजाइ (निसं)। हमारा वोट हमारा अधिकार, मेरा वोट मजबूत लोकतंत्र के लिए भारत निर्वाचन आयोग के नीति-नियमों के अनुरूप पारदर्शी, निष्पक्ष और सभी के लिए सुलभ चुनाव कराने के प्रति प्रतिबद्धता के तहत असम विधानसभा चुनाव 2026 के अवसर पर होजाई निर्वाचन जिले में विशेष व्यवस्था अपनाई गई है। इसके तहत डाक मतदान (पोस्टल बैलट) के जरिए घर पर ही वोट डालने की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया 30 मार्च से 1 अप्रैल 2026 तक चलेगी। यह सुविधा विशेष रूप से 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और विशेष रूप से सक्षम या दिव्यांग मतदाताओं के लिए उपलब्ध कराई गई है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य हर मतदाता के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना और

चुनावी प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाना है। इस पहल से वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग मतदाता घर पर रहकर सुरक्षित और आसानी से अपना लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। होजाई जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला आयुक्त श्री देव प्रसाद मिश्र ने सभी पात्र मतदाताओं से इस महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक उत्सव में सक्रिय भागीदारी कर अपने मताधिकार का सदुपयोग करने का आह्वान किया है।

असम विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान होजाई में *ड्राई डे* घोषित

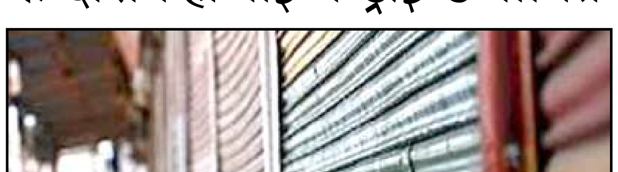

होजाई (निसं)। असम विधानसभा के सामान्य निर्वाचन 2026 के संदर्भ में असम सरकार के शराबी निर्देश तथा जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135(सी) और असम आबकारी नियमावली 2016 के नियम 326(ए) के अनुपालन में होजाई के जिला आयुक्त देव प्रसाद मिश्र (आईएएस) ने एक आदेश जारी किया है। इस निर्देश के अनुसार, 7 अप्रैल 2026 की सुबह 5 बजे से 9 अप्रैल 2026 की सुबह 5 बजे तक होजाई जिले में शराब की बिक्री एवं वितरण पूरी तरह निषिद्ध रहेगा। इसके अलावा, मतगणना के निर्धारित दिन अर्थात 4 मई 2026 को भी होजाई जिले में मतगणना प्रक्रिया पूरी न होने तक *ड्राई डे* जारी रहेगा। इस निर्धारित समयावधि में जिले के सभी थोक व्यापारी वेयरहाउस, आईएमएफएल खुदरा *ऑफ* एवं *ऑन* दुकानें, क्लब, बार, होटल तथा देशी शराब की दुकानें पूर्ण रूप से बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से शराब का संग्रहण रखना भी निषिद्ध किया गया है तथा अनुमतिपत्रविहीन स्थान पर शराब संग्रहण के विरुद्ध आबकारी कानून कठोरतापूर्वक लागू किया जाएगा। यदि इस सरकारी आदेश का कोई उल्लंघन हुआ तो असम आबकारी कानून एवं नियमावली के साथ-साथ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135(सी) के अनुसार दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रौनियार एकता महिला संगठन का आम सभा आयोजित, नई समिति गठित

विश्वनाथ (विभास)। रौनियार एकता महिला संगठन का तीन वर्ष पूर्ति के अवसर पर सोमवार को तीन बजे विश्वनाथ चारिआलि स्थिति सार्वजनिक धर्मशाला में आमसभा की आयोजन किया गया। इस सभा का अध्यक्षा रौनियार एकता महिला संगठन के अध्यक्षा सुनैना देवी और सभा संचालन सचिव सुनीता रौनियार ने की। सर्वप्रथम अध्यक्ष का आसन ग्रहण के बाद सचिव ने पर्यवक्षेक और अतिथियों को मंचासीन करवाया। इसके बाद पर्यवक्षेक अखिल असम रौनियार वैश्य समाज के अध्यक्ष छत्रपति गुप्ता, कोषाध्यक्ष उपेंद्र कुमार शाह, अतिथि केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष श्यामानंद रौनियार,विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष रामानंद रौनियार, सचिव ओमप्रकाश गुप्ता, सह सचिव सत्यप्रकाश गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, बजरंग रौनियार,पत्रकार संतोष कुमार महतो को असमीया पारंपरिक

फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। इसके बाद सचिव ने सभा का उद्देश्य व्याख्या की और तीन वर्षों का लेखा जोखा पेश की। इसके बाद सभी ने इसे सर्वसम्मति से पारित किया। इसके बाद पुरानी समिति को भंग कर नई समिति 2026-2029 का कुल 21 सदस्याओं को लेकर गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में ऊषा देवी, उपाध्यक्ष क्रमशः ऊषा देवी, मीरा देवी, ममता देवी, सचिव रानी रौनियार, सह सचिव क्रमशः किरण देवी, पुनम देवी, कोषाध्यक्ष सुनीता देवी, सह कोषाध्यक्ष बीना रौनियार, प्रचार समिति प्रमीला देवी, पुनम देवी और 11सदस्या को सर्वसम्मति से चुना गया। इस मौके पर अखिल असम वैश्य समाज के अध्यक्ष छत्रपति गुप्ता ने नारी संगठन को सेवा कार्यों और सामाजिक गतिविधियों में बढ़- चढ़कर हिस्सा लेने को कहा। उन्होंने कहा हम नारी शक्ति समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है हमें कदम कदम में समाज का साथ देना है और अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करना है तभी एकजुटता आयेगी। यह समिति आगे दुगना कार्य करते हुए महिला संगठन को और भी मजबूत करेगी। उन्होंने नई समितिको बधाई दी। इस आम सभा में अखिल असम रौनियार वैश्य समाज के कोषाध्यक्ष ने उपेंद्र कुमार शाह ने लखीमपुर में आयोजित होली मिलन समारोह का आय व्यय का हिसाब-किताब पेश किया। सभी ने सर्वसम्मति से इसे मुहर लगाई। इस मौके पर रौनियार एकता महिला संगठन के संरक्षक सुनैना रौनियार, रानी रौनियार, उषा रौनियार, सुनीता रौनियार, पूनम रौनियार, रीता रौनियार के साथ साथ बहुत सारी महिलाएं उपस्थित थीं।

रंगिया विधानसभा चुनाव में भाजपा का प्रचार जोरों पर

रंगिया (विभास)। आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में पूरे राज्य में चुनावी प्रचार चरम पर पहुंच गया है। 31 नंबर रंगिया विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार भवेश कलिता के पक्ष में पार्टी के कार्यकर्ता प्रचार में जुटे हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी के मध्यपांडुरी गांव पंचायत और इसके अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर रंगिया बरोलिया मंडल के किसान मोर्चा द्वारा चोताल बैठकों का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और सैकड़ों ग्रामीणों ने इन बैठकों में हिस्सा लिया। भाजपा बरोलिया मंडल किसान मोर्चा के अध्यक्ष कनक कलिता की अध्यक्षता में आयोजित इन बैठकों में आंचलिक पंचायत सदस्य अच्युत लहकर, नितुल डेका, दीपेश दास, दीपक कलिता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी क्रम में केकोहाटी गांव के कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता उत्पल बोड़ो समेत कई कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए।

संपादकीय

मध्यस्थ नहीं, डाकिया

कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने एक टीवी चर्चा के दौरान दावा किया था कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो पाकिस्तान जा रहे हैं। राजपूत लखनऊ में रहते हैं, लिहाजा पार्टी के क्षेत्रीय प्रवक्ता ही होंगे। उन्हें अमेरिकी उपराष्ट्रपति के प्रवास की क्या जानकारी... ! लेकिन राजनीतिक दुष्प्रचार ऐसे ही किया जाता है। पाकिस्तान में अमेरिकी प्रतिनिधियों को ईरान के समकक्षों या नुमाइंदों से बातचीत करनी थी। पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका में बताया गया था। उस टीवी चर्चा के दौरान लगभग सभी ने भारत की भूमिका पर सवाल उठाए। भारत को अलग-थलग कर दिया गया है, यह विश्लेषण भी सामने आया। पाकिस्तान की मध्यस्थ वाली भूमिका और अचानक बढ़ी हैसियत की तुलना में इसे भारत की गंभीर 'कूटनीतिक नाकामी' करार दिया गया। रविवार को यह संपादकीय लिखने तक न तो अमरीका और न ही ईरान ने ऐसी बातचीत की पुष्टि की थी। उपराष्ट्रपति वेंस अब भी अमरीका में ही हैं और ईरान अमरीका के साथ संवाद के लिए फिलहाल मानसिक और रणनीतिक तौर पर तैयार ही नहीं है। फिर मध्यस्थता का औचित्य क्या है? दरअसल कांग्रेस, वामदलों, सपा द्वारा समर्थित टीवी मीडिया पर यह सनसनीखेज चर्चा प्रायोजित लगती है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान के सीडीएफ मुनीर को फोन किया, लिहाजा पाकिस्तान को मध्यस्थ के तौर पर तय कर लिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने उसी दौर में प्रधानमंत्री मोदी से भी फोन पर बातचीत की थी। प्रधानमंत्री ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से भी बात की थी। खाड़ी देशों के लगभग सभी राष्ट्राध्यक्षों, किंग, शेख, सुल्तान, अमीर आदि से भी बातचीत की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने युद्ध को खारिज किया था और ऊर्जा ठिकानों पर विनाशक हमलों को स्वीकार्य नहीं माना था। भारत को मध्यस्थ इसलिए नहीं तय किया गया, क्योंकि भारत ऐसी मध्यस्थता के सैद्धांतिक, नीतिगत विरोध में रहा है। पाकिस्तान को 'अल्लाह' की मेहरबानी माननी चाहिए कि ईरान ने उस पर मिसाइल, ड्रोन हमले कर उसे मिट्टी-मलबा नहीं किया। ईरान ने अमरीका के प्रत्येक सहयोगी अथवा सैन्य बेस वाले देश पर लगातार हमले कर तबाही मचाई है। पाकिस्तान में मिस्र, तुर्किए, सऊदी अरब के विदेश मंत्री बैठक कर विमर्श कर सकते हैं, लेकिन पाकिस्तान न तो कभी मध्यस्थ था और न ही यह कूटनीतिक दायित्व उसे दिया जा सकता है। अलबत्ता वह 'डाकिया' अथवा 'संदेशवाहक' जरूर बन सकता है और मेहनताने के तौर पर उसे कुछ डॉलर दिए जा सकते हैं। पाकिस्तान इसलिए भी अमरीका-ईरान युद्ध में मध्यस्थ नहीं बन सकता, क्योंकि खुद उसकी अफगानिस्तान, टीटीपी, बलूच लड़ाकों के खिलाफ कई स्तर की जंग छिड़ी है। पाकिस्तान के 4000 से ज्यादा फौजी मारे जा चुके हैं और विरोधियों की भी हत्याएं की गई हैं। आम आदमी भी कुचला जा रहा है। ऐसे मध्यस्थ की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता क्या होगी? इसके अलावा, पाकिस्तान आतंकवादी देश है, यह हाल ही में किसी एजेंसी ने निष्कर्ष दिया है। पाकिस्तान कंगाल, भूखा, कटोरे वाला देश है। वहां 45 फीसदी से अधिक मुद्रास्फीति है, जो एक रिकॉर्ड है। मिट्टी के तेल की कीमत 433.40 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर है। पाकिस्तान पर 100 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज है। पाकिस्तान 1958 से आज तक 26 बार आईएमएफ के पास जा चुका है। ऐसी स्थिति में उसे मध्यस्थता के लिए चुनना संभव नहीं है।

पाकिस्तान में अमरीकी प्रतिनिधियों को ईरान के समकक्षों या नुमाइंदों से बातचीत करनी थी। पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका में बताया गया था। उस टीवी चर्चा के दौरान लगभग सभी ने भारत की भूमिका पर सवाल उठाए। भारत को अलग-थलग कर दिया गया है, यह विश्लेषण भी सामने आया। पाकिस्तान की मध्यस्थ वाली भूमिका और अचानक बढ़ी हैसियत की तुलना में इसे भारत की गंभीर 'कूटनीतिक नाकामी' करार दिया गया। रविवार को यह संपादकीय लिखने तक न तो अमरीका और न ही ईरान ने ऐसी बातचीत की पुष्टि की थी। उपराष्ट्रपति वेंस अब भी अमरीका में ही हैं और ईरान अमरीका के साथ संवाद के लिए फिलहाल मानसिक और रणनीतिक तौर पर तैयार ही नहीं है। फिर मध्यस्थता का औचित्य क्या है? दरअसल कांग्रेस, वामदलों, सपा द्वारा समर्थित टीवी मीडिया पर यह सनसनीखेज चर्चा प्रायोजित लगती है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान के सीडीएफ मुनीर को फोन किया, लिहाजा पाकिस्तान को मध्यस्थ के तौर पर तय कर लिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने उसी दौर में प्रधानमंत्री मोदी से भी फोन पर बातचीत की थी। प्रधानमंत्री ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से भी बात की थी। खाड़ी देशों के लगभग सभी राष्ट्राध्यक्षों, किंग, शेख, सुल्तान, अमीर आदि से भी बातचीत की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने युद्ध को खारिज किया था और ऊर्जा ठिकानों पर विनाशक हमलों को स्वीकार्य नहीं माना था। भारत को मध्यस्थ इसलिए नहीं तय किया गया, क्योंकि भारत ऐसी मध्यस्थता के सैद्धांतिक, नीतिगत विरोध में रहा है। पाकिस्तान को 'अल्लाह' की मेहरबानी माननी चाहिए कि ईरान ने उस पर मिसाइल, ड्रोन हमले कर उसे मिट्टी-मलबा नहीं किया। ईरान ने अमरीका के प्रत्येक सहयोगी अथवा सैन्य बेस वाले देश पर लगातार हमले कर तबाही मचाई है।

विपक्ष हमलावरों की आलोचना की जगह केवल प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने पर लगा रहा

नागपुर हिंसा के पीछे की सोच को समझना होगा

अवधेश वुमार

संसद के अंदर और बाहर सारा विपक्ष हमलावरों की आलोचना की जगह केवल प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने पर लगा रहा। भाजपा की आलोचना और विरोध करिए कितु इतने बड़े खतरे की अनदेखी कर आप वैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, इसका परिणाम क्या होगा इन पर अवश्य विचार कर लीजिए। नागपुर के दृश्य निस्संदेह फिर देश को भयभीत कर रहे हैं। 33 से ज्यादा पुलिसर्कमियों का घायल होना, भारी संख्या में वाहनों की तोड़फोड़ या जलाना, जगह-जगह घरों और दुकानों का क्षतिग्रस्त होना बताता है कि हमले सुनियोजित थे। विधानसभा में मुख्यमंत्री देकेंद्र फडणवीस ने बयान भी दिया कि यह सुनियोजित हमला लगता है। नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-पुल्की हिसा कर सकता है। वीडियो पुटेज में हमलावर चेहरे हुए हैं, नकाबपोश हैं, कईं के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चले। इतने व्यापक क्षेत्र में बगैर पूर्व योजना और षडांत्र के वैसी हिसा संभव नहीं। इन पंत्तियों के लिखे जाने तक 13 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है तथा 100 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी भी। घटनाव्राम देखिए। विश्व हिदू परिषद और बजरंग दल ने 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रतीकात्मक पुतला जलाया। माइनॉरिटी डेमोव्रेटिक पाटा के शहर अध्यक्ष फ़हीम अहमद लगभग 50-60 लोगों को लेकर गणेशपेठ पुलिस थाना पहुंचा और लिखित शिकायत दर्ज कराई कि हरे कपड़े पर पवित्र वुरान की आयत लिखकर जलाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर अफवाह पैलाई गईं कि पवित्र वुरान की आयतें जलाई गईं है, लोगों के घर से निकलने की अपील की गईं। सोशल मीडिया पर झूठ पैलाया गया कि हिसा में दो लोगों की मृत्यु हो गईं है। एक सोशल मीडिया अकाउंट बांग्लादेश से मिला है जिसमें लिखा गया कि यह छोटा दंगा था, इससे बड़ा दंगा आगे होगा। फहीम खान थाने से आकर 400-500 लोगों, जिनके हाथों में हथियार थे को लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज चौक यानी धरना स्थल पर पहुंच गया। पुलिस द्वारा भीड़ से वापस जाने के आग्रह को अनसुना करते हुए भड़काऊ और उकसाऊ नारे लगे। आप सोचिए, अगर वुछ निहत्थे लोग मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हों, पुतले जल रहे हों और वहां वुल्हाड़ियों, पत्थरों, लाठी, रोड और अन्य ऐसी सामग्रियां लेकर 400-500 लोग लहराने लगें तथा दृश्य ऐसे हों मानो टूट पड़ने वाले हैं तो लोगों की वैसी मनोदशा होगी। इसी दौरान भालदारपुरा में पुलिस पर पत्थरों से हमले की भी घटना हुई। सबसे शर्मनाक अंधेरे का लाभ उठाकर महिला पुलिस के साथ छेड़खानी और दुर्व्यवहार था। गीतांजलि चौक पर भीड़ ने पुलिस वाहनों पर पेट्रोल बम से

भाजपा की आलोचना और विरोध करिए कितु इतने बड़े खतरे की अनदेखी कर आप वैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, इसका परिणाम क्या होगा इन पर अवश्य विचार कर लीजिए। नागपुर के दृश्य निस्संदेह फिर देश को भयभीत कर रहे हैं। 33 से ज्यादा पुलिसर्कमियों का घायल होना, भारी संख्या में वाहनों की तोड़फोड़ या जलाना, जगह-जगह घरों और दुकानों का क्षतिग्रस्त होना बताता है कि हमले सुनियोजित थे। विधानसभा में मुख्यमंत्री देकेंद्र फडणवीस ने बयान भी दिया कि यह सुनियोजित हमला लगता है। नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-पुल्की हिसा कर सकता है।

हमला किया और पुलिस के दो वाहनों में आग लगा दी। गंजीपुरा में फ्लाईओवर निर्माण के लिए खड़ी दो व्रोन को पेट्रोल बम से आग लगा दी गई। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों पर पत्थरों और घातक हथियारों से हमलाकर घायल कर दिया गया। बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग आव्रामक तेवर और तैयारी में महल, कोतवाली, गणेशपेठ और चिटनिस पार्व समेत शहर के विभिन्न इलाकों में हिसा करने लगे। नागपुर के सीए रोड, भालदारपुरा, गंजी पेठ, हंसापुरी, गांधी बाग, चिटनवीस पार्व, आदि क्षेत्र में ज्यादातर दुकानें पुराने मोटरसाइकिल एवं ऑटो स्पेयर पाट्र्स की हैं। सभी दुकानें मुस्लिम समुदाय की है। सोमवार को दुकानें सुबह से ही बंद रखी गईं थी। क्यों? मोबिनपुरा में 150 गाड़िया इन्हीं लोगों की खड़ी रहती थी, वहां एक भी गाड़ी नहीं थी। क्यों? शाम की हिसा में केवल हिदू घर एवं दुकान ही निशाना बने। नागपुर के डीसीपी निकेतन कदम पत्थरबाजी की घटना में घायल हुए। उनका वत्तव्य देखिए, ''जिस तरह से हर तरफ से पत्थरबाजी हुई, उसमें कई अधिकारी घायल हो गए। एक घर में वुछ लोग छिपकर पत्थरबाजी कर रहे थे। टीम वहां गई तो दूसरी ओर से 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ आई। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो एक ने वुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कई छतों से पत्थर पेंके जा रहे थे। पत्थर छत पर वैसे पहुंचे, वुछ तो प्लानिग थी।' भीड़ उन्मादित और वुछ भी करने पर उतारू थी तो कारण सामान्य नहीं हो सकता। पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा। ऐसी घटना को हम सामान्य राजनीतिक और दलीय चश्मे से देखेंगे तो भविष्य में होने वाले भयावह परिणामों के भागीदार बनेंगे। सच को सच के रूप में समझ कर स्पष्ट न बोला जाए तो परिणाम सतत भयावह से भयावहतम की ओर बसामान्य सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से देखें तो इस हिसा का कोई कारण नहीं था। कोई समूह किसी विषय पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा है तो उसे मजहब विरोधी कार्रवाई मानकर हमले की व्याख्या वैसे की जाएगी? साफ है कि ऐसा वुछ जलाया ही नहीं गया जिसका प्रचार किया गया। असदुद्दीन ओवैसी ने बयान दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र पाक वुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई है। इस तरह के अफवाह पैलाने वाले कौन हो सकते हैं? भारी संख्या में सोशल मीडिया अकाउंट बंद किए गए हैं और उनके आधार पर लोगों की गिरफ्तारियां हुई है। मानकर चलना चाहिए कि प्रदेश सरकार या अगर जांच केंद्रीय एजेंसी को दी जाती है तो केंद्र दोषियों को अंतिम सीमा तक दंड दिलाएगा। केवल दंड दिलाने से ऐसी समस्याओं का निदान नहीं हो सकता। विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। हाल में महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा-मोटी एक ही तरह का पैटर्न देखा जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। कोई औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहा है तो उससे इतनी संख्या में किसी समुदाय के लोगों के अंदर गुस्सा क्यों पैदा हो गई? औरंगजेब जैसे आततायी, धर्मांध, बुरे शासक के लिए उसकी मृत्यु के 300 से ज्यादा वर्षो बाद इतने लोगों के अंदर उसे अपना या इस्लाम का आदर्श मानने की इतनी संवेगी भावना कि मरने - मारने को उतारू हो जाएं वैसे पैदा हो गईं? पहले भी सोशल मीडिया पर औरंगजेब का महिमामंडन कर हिसा पैलाने की कोशिश की गई है। केवल औरंगजेब नहीं, महमूद गजनवी और उसके भांजे सालार मसूद तक के प्रति इतना समर्थन वैसे कि उन पर प्रश्न उठाने के विरुद्ध खुलेआम बयानबाजी और हिसा तक की घटनाएं हो रही हैं? क्या कल कोई नादिर शाह और अहमदशाह अब्दली को भी इस्लाम का ध्वजवाहक मानकर लड़ना शुरू कर देगा? कल्पना करिए कि कोई जनरल डायर, लॉर्ड क्लाइव आदि के पक्ष में खड़ा हो तो देश उसे किस दृष्टि से दिखेगा? यही दृष्टि औरंगजेब, महमूद गजनवी, सालार मसूद गाजी जैसों के प्रति क्यों नहीं पैदा होती? यह विचारधारा है जिसमें इस्लाम के नाम पर काफिरों या विरोधियों के विरुद्ध अत्याचार, पवित्रतम स्थलों को ध्वस्त कर इस्लामी चा खड़ा करना सही माना जाता है। इस्लाम को उच्च तथा काफिरों या विरोधियों के साथ बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीवृति मिलती दिख रही है। यही आचरण दुनिया में आतंकवाद और अन्य प्रकार की हिसा का है। भारत विभाजन के पीछे भी यही था। इसलिए दलीय बयानबाजी द्वारा ऐसे तत्वों को परोक्ष समर्थन देना इनको हिसा के लिए प्रोत्साहित करना है जो भविष्य में आत्मघाती साबित होगा। शिवसेना नेता संजय राऊत का बयान देखिए, ''नागपुर में हिसा होने का कोई कारण नहीं है। यहीं पर आरएसएस का मुख्यालय है।

देश | दुनीया से

वैश्विक संकट के दौर में वैश्विक पर्यटन उद्योग

अमेरिका इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाला वैश्विक पर्यटन उद्योग के वैश्विक हालातों के चलते वर्तमान हालातों में मंदी से भी अतिमंदी के दौर से गुजरने की संभावना से नहीं नकारा जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्यपूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्यपूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते है और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर युद्ध के वैश्विक हालातों के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह से भारत के भी विदेशी पर्यटकों की आवाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है। वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कुब्वत रखता है। इसे हम रुस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप का कायास यही था कि दो चार दिन में ईरान के घुटने टिकवा देंगे पर ट्रंप और नेतन्याहू के सारे कयास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और वैश्विक संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरु कर सकते हो पर युद्ध शुरु होने के बाद कब बंद होगा यह आपके हाथ में नहीं रहेगा। युद्ध के चलते अब हालात ऐसे हो गए है कि चाह कर भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। केवल और केवल ट्रंप के दादागिरी पूर्ण रवैये के चलते दुनिया की देशों की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाने वाला पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। होटल और ट्रेवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियां के

सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर लगभग विराम के से हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे तैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लग्जरी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात विकट से विकटतर होते जा रहे हैं। दरअसल वैश्विक हालातों के चलते एक और उड़ाने रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना होती जा रही है। पता नहीं कब कहां क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर के रह जाएं। इस तरह की आशंकाओं से भी दो चार हो रहे हैं। मध्यपूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाएं कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी सी भी सहानुभूति रखने वाले देष कब निशाने पर आ जाएं कहा नहीं जा सकता। मध्यपूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरुमध्य के हालात इसके उदाहरण है। हालात तो यहां तक खराब होने की संभावना से इंकार नहीं करते कि मध्यपूर्व के देषों में तो पानी का गंभीर संकट तो हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक दूसरे के अहम् के चलते आमआदमी कहीं हाशिये में चला गया है। युद्ध के सामान्य नियम भी ताक में रख दिए गए हैं और आमनागरिकों, बच्चों, अस्पतालों, घनी आबादी इलाकों में भी मिसाइल दागने से कोई परहेज नहीं रह गया है। कोरोना के दौरान जिस तरह से पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था आज उसी तरह के हालात बनते दिख रहे हैं। कोरोना के बाद पिछले सालों में पर्यटन उद्योग ने तेजी पकड़ी थी और लगने लगा था कि 2030 तक पर्यटन उद्योग को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा पर अब हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और लगता नहीं है कि आने वाले दिनों में कोई सुधार दिखाई देगा। हांलाकि एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत सहित विश्व के देशों में देशी पर्यटन को अवष्य बढावा मिलने लगा है। लोग अपने ही देश में आसपास के स्थानों को एक्सप्लोर करने लगे हैं।

आप का | नजरीया

दो टूक

दिल्ली विधानसभा में जहां एक तरफ विपक्षी आम आदमी पाटा (आप) के सदस्य विशेष नोटिस के तहत राज्य की कानून व्यवस्था की हालत पर चर्चा कराना चाहते हैं, वहीं स्पीकर विजेन्द्र गुप्ता ने दो टूक कहा है कि इस सदन में केवल उन्हीं विषयों पर चर्चा संभव है जो दिल्ली सरकार के अधीन है। कानून व्यवस्था दिल्ली सरकार के तहत नहीं है इसलिए उस पर चर्चा संभव ही नहीं है। दरअसल बृहस्पतिवार को आप के सदस्य स्पीकर के इस स्पष्टीकरण से नाराज होकर अपना आव्रोश व्यक्त कर रहे थे, इसी दौरान स्पीकर ने स्पष्ट शब्दों में विपक्ष की नेता को समझाने का प्रायास किया कि जो विषय दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं है, उन पर चर्चा की अनुमति विशेष नोटिस के माध्यम से कराना संभव नहीं है। आम आदमी पाटा के सदस्यों की शिकायत बिल्वुल सही है कि विधायक यदि अपने राज्य के विधान मंडल में कानून व्यवस्था की चर्चा नहीं करेंगे तो और कहां करेंगे! विपक्षी विधायकों की आपत्ति है कि उनके क्षेत्र की जनता दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था की शिकायत उनसे करते हैं इसलिए वह विधानसभा में इस विषय पर चर्चा कराने की मांग कर रहे हैं। आम आदमी पाटा का यह तर्व सही लगता है किन्तु है शरारतपूर्ण। कारण है कि जब पहले दिल्ली में कोई बड़ी आपराधिक घटना घटित होती थी तो आप की पूर्ववता सरकार जनता के सवालों का जवाब तपाक से देती थी कि कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। वे स्पष्ट तौर पर कहते थे कि इस बारे में सवाल उपराज्यपाल और केंद्रीय गृह मंत्रालय से पूछिए। मतलब यह कि आप सरकार के वक्त कानून व्यवस्था पर खूब चर्चाएं होती थीं, यही नहीं केन्द्र सरकार की आलोचना करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाता था। आप सरकार इस बात को अच्छी तरह जानती था कि कानून व्यवस्था पर चर्चा कराने का अधिकार उनकी विधानसभा के पास थी ही नहीं किन्तु वे केन्द्र सरकार के खिलाफ जिस घटिया भाषा का इस्तेमाल करते थे, वह अत्यन्त आपत्तिजनक होती थी। आप नेता समझते थे कि यदि यही भाषा विधानसभा से बाहर इस्तेमाल कर दी गई तो उनके खिलाफ मानहानि का मामला तो दर्ज होना निाति है। इसलिए आप विधायक विधानसभा में अपने विशेषाधिकार की कवच के साथ केंद्र सरकार के खिलाफ जहर उगल कर बच जाया करते थे। बहरहाल दिल्ली विधानसभा में राज्य के तमाम मुद्दे हैं जिनका सीधा संबंध सरकार के कामकाज से जुड़ा है। यदि विपक्ष मुद्दे उठाना ही चाहता है तो उसे किसी तरह की कठिनाई नहीं होगी। विपक्ष का अधिकार है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, यमुना सफाई, प्रादूषण महंगाई और सार्वजनिक परिवहन सुविधा के बारे में सरकार को घेर सकते हैं। किन्तु मुसीबत यह है कि विपक्ष उन्हीं मुद्दों को उठाती है जिससे गदर की स्थिति बन जाए ताकि उन्हें सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का अच्छा अवसर हासिल हो सके। आम आदमी पाटा नेतृत्व को यह बात अच्छी तरह पता है कि सरकार में रहते समय उन्होंने जिस तरह से केन्द्र सरकार और उपराज्यपाल के साथ व्यवहार किया, उसका भी असर मतदाताओं पर पड़ा। दिल्ली की जनता कभी भी नहीं चाहती थी कि दिल्ली सरकार के मुखिया और केंद्र सरकार के प्रातिनिधि उपराज्यपाल के बीच टकराव हो। दिल्ली की जनता मदनलाल खुराना और शीला दीक्षित का माडल पसंद करती है। स्वगाय खुराना ने अपने कार्यकाल के दौरान तत्कालीन उपराज्यपाल पीके दवे (पूर्व आईएएस) से काम कराने जानते थे और शीला दीक्षित ने केन्द्र में विरोधी पाटा भाजपा नीत सरकार के साथ 5 वर्ष विजय कपूर जैसे (पूर्व आईएएस अधिकारी रहे) उपराज्यपाल के साथ सफलतापूर्वक काम किया था। जनता शांति चाहती है। उसने तनातनी वाला केजरीवाल मॉडल खारिज कर दिया। पराजय से सबक सीखा जा सकता है। यदि आम आदमी पाटा को सीखने की चाह हो तो वह पहले के मुख्यमंत्रियों के व्यवहारों से मर्यादित राजनीति का सबक सीख सकते हैं। दिल्ली के मतदाताओं ने भी केजरीवाल की पाटा को यही दो टूक संदेश दिया है कि आप की काम करने से ज्यादा लड़ने की प्रावृत्ति है। उसे लड़ने वाली नहीं काम करने वाली सरकार चाहिए।

कानून व्यवस्था दिल्ली सरकार के तहत नहीं है इसलिए उस पर चर्चा संभव ही नहीं है। दरअसल बृहस्पतिवार को आप के सदस्य स्पीकर के इस स्पष्टीकरण से नाराज होकर अपना आव्रोश व्यक्त कर रहे थे, इसी दौरान स्पीकर ने स्पष्ट शब्दों में विपक्ष की नेता को समझाने का प्रायास किया कि जो विषय दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं है, उन पर चर्चा की अनुमति विशेष नोटिस के माध्यम से कराना संभव नहीं है। आम आदमी पाटा के सदस्यों की शिकायत बिल्वुल सही है कि विधायक यदि अपने राज्य के विधान मंडल में कानून व्यवस्था की चर्चा नहीं करेंगे तो और कहां करेंगे! विपक्षी विधायकों की आपत्ति है कि उनके क्षेत्र की जनता दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था की शिकायत उनसे करते हैं इसलिए वह विधानसभा में इस विषय पर चर्चा कराने की मांग कर रहे हैं। आम आदमी पाटा का यह तर्व सही लगता है किन्तु है शरारतपूर्ण। कारण है कि जब पहले दिल्ली में कोई बड़ी आपराधिक घटना घटित होती थी तो आप की पूर्ववता सरकार जनता के सवालों का जवाब तपाक से देती थी कि कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। वे स्पष्ट तौर पर कहते थे कि इस बारे में सवाल उपराज्यपाल और केंद्रीय गृह मंत्रालय से पूछिए।

कुछ | अलग

भक्त, उतने ही भक्ति के रूप

मानस में भक्त के चार प्रकार बताए गए हैं- ज्ञानी, जिज्ञासु, अर्थार्थी एवं आर्त। चार प्रकार के भक्तों की बात कह देना बहुत सरल है। भक्ति में वास्तविकता-अवास्तविकता का प्रश्न पहले नहीं उठाया जाता। जब तैरना सीख जाएंगे, तभी नदी में उतरेंगे, ऐसा नहीं कहा जा सकता। इसका तो श्रीगणेश ही व्यक्ति की अपनी मान्यता से होता है। संसार सत्य है या असत्य? विषय को चाहना उचित है या अनुचित? प्रारंभिक स्थिति में इन विवादों की कोई आवश्यकता नहीं। यहां तो सीधा आमंत्रण है। तुम संकट से त्राण पाना चाहते हो? ये सब प्रभु से ही संभव है। ब्रह्म-सुख पाना चाहते हो, तो आओ, प्रारंभ कर दो प्रभु के चरणों में भक्ति। अर्थ और अभिलाषाओं की पूर्ति चाहते हो! रहस्य जानना चाहते हो! सब सर्वदा प्रभु द्वारा साध्य होगा भय और लोभ की सहज वृत्ति से भक्ति का श्रीगणेश होता है। भगवान की जिज्ञासा भक्ति का मध्यभाग है। भगवान का सुख पाना, उसमें एक हो जाना, भक्ति की चरम परिणति है। भय से संत्रस्त आर्त हैं। लोभ से प्रेरित अर्थार्थी हैं। जानने की इच्छा वाला जिज्ञासु है। जान पाने वाला ज्ञानी है। मानस में- 'ग्यानी प्रभुहि बिसेषि पिआरा' कहकर गोस्वामीजी ने पुष्ट कर दिया है। मानस में भक्तों की ओर देखें, तो साधारण से लेकर असाधारण चरित्र वाले अनेक पात्र हमारे सामने आते हैं। दशरथ, गीध, वाल्मीकि, शबरी, कोल, भील, वानर, निशाचर आदि सब वहां (भक्ति में) एक पंक्ति में खड़े हुए दिखाई देंगे। ऐसी उदारता, जो कि अन्यत्र असंभव है। पात्रों में स्वभाव, आचार, विचार, आकांक्षा आदि किसी में भी साम्य नहीं है। बस, एकता का एक केंद्र है-'राम से संबंध।'

दृष्टि | कोण

दहेज नहीं लिया... या बस नाम बदल दिया ?

भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध माना जाता है। यह संबंध परंपराओं, रीति-रिवाज़ों और सामाजिक मान्यताओं से जुड़ा होता है। लेकिन जब इन परंपराओं के पीछे छिपी मानसिकता पर सवाल उठता है, तो एक कड़वा सच सामने आता है—हमने बुराइयों को छोड़ा नहीं है, बस उनका स्वरूप बदल दिया है। आजकल शादियों में एक नया चलन तेजी से उभर रहा है। बड़े गर्व के साथ यह घोषणा की जाती है—"हमने दहेज़ नहीं लिया।" यह सुनते ही एक सकारात्मक छवि बनती है कि समाज बदल रहा है, लोग जागरूक हो रहे हैं। लेकिन जैसे ही शादी की रस्में आगे बढ़ती हैं, यह आदर्शवाद धीरे-धीरे दिखावे में बदलता नजर आता है। थाली में सजी नगदी, सोना-चांदी और महंगे उपहार—सब कुछ सलीके से प्रस्तुत किया जाता है। फिर एक प्रतीकात्मक अभिनय होता है—लड़का या उसका परिवार उस ढेर में से मात्र एक रुपया उठाता है, मानो यह सिद्ध कर रहा हो कि उन्होंने दहेज़ नहीं लिया। शेष सब कुछ "रिवाज़", "भात", "शगुन" या "उपहार" के नाम पर स्वीकार कर लिया जाता है। यह दृश्य केवल एक रस्म नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक मानसिकता का आईना है। सवाल यह नहीं कि एक रुपया लिया गया या नहीं; असली प्रश्न यह है कि क्या लड़की के परिवार पर आर्थिक या सामाजिक दबाव पड़ा या नहीं। दहेज़ प्रथा सदियों से भारतीय समाज की एक गंभीर समस्या रही है। पहले इसे खुले तौर पर माँगा जाता था—नकदी, गाड़ियाँ, गहने। समय बदला, कानून सख्त हुए, जागरूकता बढ़ी, और इस प्रथा के खिलाफ आवाजें उठीं। लेकिन क्या दहेज़ वास्तव में समाप्त हुआ? शायद नहीं। आज इसने अपना रूप बदल लिया है। अब इसे सीधे माँगना अनुचित माना जाता है, इसलिए इसे परंपरा और सम्मान की आड़ में छिपा दिया गया है। "भात", "तिलक", "सगाई के उपहार" और "विदाई के तोहफे"—नाम भले बदल गए हों, पर लेन-देन की प्रवृत्ति वही है। "भात" जैसी परंपराएँ, जो कभी स्नेह और आत्मीयता का प्रतीक

थीं, आज कई जगह सामाजिक प्रतिस्पर्धा और दिखावे का माध्यम बन चुकी हैं। कितना सोना दिया गया, कितनी नगदी रखी गई, कितने महंगे वस्त्र और उपहार दिए गए—इन्हीं पैमानों पर अब "इज्जत" का आकलन होने लगा है। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बोझ डालती है, बल्कि मध्यम वर्ग को भी अपनी क्षमता से अधिक खर्च करने के लिए विवश करती है। दिखावे की यह संस्कृति आज के समाज की एक बड़ी विडंबना बन चुकी है। सोशल मीडिया ने इसे और हवा दी है, जहाँ हर आयोजन एक प्रदर्शन बन गया है। "हमने दहेज़ नहीं लिया" जैसे वाक्य भी कई बार नैतिकता के बजाय छवि निर्माण का माध्यम बन जाते हैं। परिणाम यह होता है कि एक झूठी धारणा बनती है कि दहेज़ खत्म हो रहा है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत होती है। दहेज़ का सबसे खतरनाक रूप वह है, जो दिखाई नहीं देता—जो "अनकहा" होता है। कोई खुलकर कुछ नहीं मांगता, लेकिन अपेक्षाएँ स्पष्ट रहती हैं। "हमें कुछ नहीं चाहिए, आप अपनी खुशी से कर दीजिए" या "हमें तो कुछ नहीं चाहिए, लेकिन समाज में इज्जत भी तो रखनी होती है"—ये वाक्य सुनने में सहज लगते हैं, लेकिन इनके पीछे गहरा सामाजिक दबाव छिपा होता है। यह दबाव ही दहेज़ को मजबूरी बना देता है, चाहे उसे स्वेच्छा का नाम क्यों न दिया जाए। कानून दहेज़ को अपराध घोषित करता है, लेकिन कानून केवल व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, मानसिकता को नहीं। जब तक समाज खुद यह नहीं मानेगा कि यह प्रथा गलत है, तब तक कोई भी कानून इसे पूरी तरह समाप्त नहीं कर सकता। वास्तविक बदलाव के लिए हमें अपने दृष्टिकोण और व्यवहार दोनों को बदलना होगा। परंपराओं का पुनर्मूल्यांकन करना होगा और यह तय करना होगा कि कौन-सी परंपराएँ सार्थक हैं और कौन-सी केवल दिखावे और दबाव का माध्यम बन चुकी हैं। "भात" और "उपहार" तभी तक उचित हैं, जब वे पूरी तरह स्वेच्छा और सामर्थ्य के भीतर हों। विवाह को सादगी और गरिमा के साथ स्वीकार करना होगा।

देवरिया में 41 आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण 89 का शिलान्यास; 576 को नियुक्ति पत्र

देवरिया (हिंस)। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नव-निर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण तथा प्रस्तावित परियोजना कार्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का शिलान्यास किया गया। इसी क्रम में जनपद देवरिया में 41 आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण तथा 3 परियोजना कार्यालयों एवं 89 आंगनबाड़ी केंद्रों का शिलान्यास हुआ। निदेशालय, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत जनपद में पारदर्शी प्रक्रिया के तहत चयनित 573 आंगनबाड़ी सहायिकाओं एवं 3 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सोमवार को जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए। नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में राज्य मंत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम द्वारा बाल विकास परियोजना सलेमपुर एवं लार, विधायक सदर शलभ मणि त्रिपाठी द्वारा सदर एवं शहर परियोजना, विधायक रुद्रपुर जय प्रकाश निषाद द्वारा रुद्रपुर, विधायक बरहज दीपक मिश्र *शाका* द्वारा बरहज एवं भागलपुर, विधायक रामपुर कारखाना सुरेंद्र चौरसिया द्वारा रामपुर व तरकुलवा परियोजनाओं में नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसी प्रकार ब्लॉक प्रमुख गौरी बाजार द्वारा गौरी बाजार तथा प्रमुख भलुअनी छट्ठू यादव द्वारा भलुअनी परियोजना में नियुक्ति पत्र वितरण का कार्य कराया गया। कार्यक्रम में अन्य जनप्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री योगी ने पीसीएस-2024 के सफल अभ्यर्थियों को दी बधाई
कहा, प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा-2024 के परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सफल अभ्यर्थियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से बधाई दी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में सफलता को अभ्यर्थियों के परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास का परिणाम बताया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि पीसीएस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त करना अभ्यर्थियों की लगन और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने सभी चयनित युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए भरोसा जताया कि वे अपनी प्रतिभा और निष्ठा के साथ प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। प्रशासनिक सेवा केवल पद प्राप्ति नहीं, बल्कि जनसेवा का एक सशक्त माध्यम है। ऐसे में चयनित अभ्यर्थियों से अपेक्षा है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करें तथा आमजन की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि परीक्षा को पारदर्शिता, निष्पक्षता और शुचिता के साथ संपन्न कराया गया, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति युवाओं का विश्वास और मजबूत हुआ है।

चंडीगढ़ : ग्रुप-डी के 13246 कर्मियों की होगी बायोमेट्रिक जांच

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विज्ञापन संख्या 01/2023 के तहत चयनित कॉमन कैडर ग्रुप-डी के 13,246 कर्मचारियों के बायोमीट्रिक सत्यापन का निर्णय लिया है। इस प्रक्रिया के तहत राज्य के सभी मंडलों में चरणबद्ध तरीके से कर्मचारियों की पहचान का मिलान किया जाएगा, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाया जा सके। सरकार द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, सत्यापन की प्रक्रिया 20 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक विभिन्न मंडलों में आयोजित की जाएगी। सबसे पहले अंबाला मंडल में 20 अप्रैल को 1,451 उम्मीदवारों का सत्यापन होगा, जिसमें अधिकांश कर्मचारी विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं। इसके बाद 21 अप्रैल को करनाल मंडल में 1,662 कर्मचारियों की जांच की जाएगी।

क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस में परिवारवाद हावी : मंत्री प्रजापति

यूपी के होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा मंत्री का विपक्षी दलों पर हमला

जोधपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि क्षेत्रीय दलों और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में परिवारवाद हावी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में लंबे समय से एक ही परिवार को आगे बढ़ाया जा रहा है, जबकि जनता उन्हें बार-बार नकार रही है। सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जहां बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री या राष्ट्रीय अध्यक्ष तक बन सकता है। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल चल रहा है, वहीं उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार दूसरे कार्यकाल का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों ही नेता बिना रुके और बिना अवकाश के जनता के हित में कार्य कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि बीजेपी हमेशा संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सक्रिय रहने पर जोर देती है। पार्टी चुनावों का इंतजार नहीं करती, बल्कि निरंतर जनसंपर्क में रहती है, जिसका परिणाम है कि विभिन्न राज्यों में चुनावों के दौरान जनता का समर्थन मिलता है। आगामी पांच राज्यों के चुनावों को लेकर उन्होंने विश्वास जताया कि जनता एक बार फिर बीजेपी को समर्थन देगी और पार्टी मजबूत प्रदर्शन करेगी। वहीं, हाल ही में रिलीज फिल्म धुरंधर 2 और कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म में दिखाई गई बातें वास्तविकता पर आधारित हैं, जिसे विपक्ष स्वीकार नहीं कर पा रहा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में अराजकता का माहौल था, लेकिन बीजेपी सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है।

भारतीय सेना ने युद्धाभ्यास *मरू संग्राम* में दिखाई स्वदेशी हथियार

जोधपुर (हिंस)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर भारतीय सेना की कोणार्क कॉर्प्स ने राजस्थान के रेगिस्तानी सेक्टर के आगे के इलाकों में रविवार तक युद्ध अभ्यास पूरा किया। यह अभ्यास सुबह से रात तक चला, जिसमें जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल एवीएस राठी ने मौके पर पहुंचकर टैंक, तोप, हेलीकॉप्टर और ड्रोन सिस्टम का निरीक्षण किया। अभ्यास में स्वदेशी हथियारों के साथ सेना की तैयारी और अलग-अलग हालात में काम करने की क्षमता को परखा गया। कोर ने आधुनिक तकनीक और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए अपनी बैटल रेडी स्थिति दिखाई। सेना के अनुसार प्रदर्शन के दौरान सेना ने ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम पर विशेष जोर दिया। निगरानी से लेकर सटीक हमला करने तक, ड्रोन्स की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। साथ ही, दुश्मन के ड्रोन्स को बेअसर करने वाली तकनीक का भी सफल परीक्षण किया गया। रेतीले टीलों के बीच टैंकों और बीएमपी गाड़ियों ने अपनी गति और निशाने की क्षमता दिखाई। मैकेनाइज्ड इंफैंट्री यूनिट्स ने कठिन भूभाग में मूवमेंट और ऑपरेशन को परखा, जिससे अलग-अलग युद्ध परिस्थितियों में काम करने की तैयारी जांची गई। तोपखाने में बोफोर्स और अन्य आर्टिलरी गन से लक्ष्य पर सटीक मार की क्षमता का परीक्षण किया गया। अटैक हेलीकॉप्टरों ने हवा से जमीन पर हमले का अभ्यास करते हुए तय लक्ष्यों को निशाना बनाया। अभ्यास में ड्रोन और काउंटर ड्रोन सिस्टम पर खास ध्यान दिया गया। ड्रोन से निगरानी और लक्ष्य की पहचान की गई, जबकि काउंटर सिस्टम ने दुश्मन के ड्रोन को निष्क्रिय करने की तकनीक का परीक्षण किया। स्वदेशी अटैक हेलीकॉप्टर प्रचंड और रुद्र को ऊंचाई वाले क्षेत्रों और रेगिस्तान दोनों के लिए डिजाइन किया गया है।

राजस्थान बोर्ड 12वीं का रिजल्ट आज

जयपुर (हिंस)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (आरबीएसई) की कक्षा 12वीं (आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस) का परीक्षा परिणाम मंगलवार, 31 मार्च को सुबह 10 बजे घोषित किया जाएगा। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर अजमेर स्थित बोर्ड कार्यालय से परिणाम जारी करेंगे। बोर्ड ने इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस वर्ष का परिणाम कई मायनों में ऐतिहासिक रहने वाला है। पहली बार 12वीं का रिजल्ट मार्च महीने में ही घोषित किया जा रहा है। इससे पहले 10वीं का रिजल्ट 24 मार्च को जारी किया जा चुका है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड रहा, क्योंकि पहली बार 10वीं का परिणाम 12वीं से पहले घोषित हुआ। इस साल 12वीं बोर्ड परीक्षाएं 11 मार्च को समाप्त हुई थीं, जिनमें कुल 9 लाख 10 हजार 9 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। परीक्षा समाप्त होने के महज कुछ ही दिनों बाद परिणाम जारी किया जा रहा है, जिससे यह अब तक के सबसे कम समय में घोषित होने वाले परिणामों में शामिल हो गया है। पिछले तीन वर्षों से राजस्थान बोर्ड के 12वीं परिणाम में लगातार सुधार देखा जा रहा है। कोरोना काल के दौरान परीक्षा नहीं होने पर परिणाम 99 प्रतिशत से अधिक रहा था, वहीं उसके बाद भी पास प्रतिशत में बढ़ोतरी का क्रम जारी है।

देश में लोकतंत्र पर खतरे के संकेत : अशोक गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को सिविल लाइन्स स्थित आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार और मौजूदा राजनीतिक हालात पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव और सामाजिक माहौल को लेकर चिंता जताई। केरल विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर गहलोत ने कहा कि वहां लंबे समय से एलडीएफ और यूडीएफ के बीच सत्ता परिवर्तन का सिलसिला चलता रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली बार कोरोना प्रबंधन को लेकर माहौल बनाया गया, लेकिन इस बार उन्हें उम्मीद है कि यूडीएफ की सरकार बनेगी। उन्होंने केरल की शिक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि वहां आज़ादी से पहले से ही घर-घर शिक्षा का माहौल है और उनका सपना है कि राजस्थान में भी ऐसा ही वातावरण बने। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए गहलोत ने कहा कि देश में ऐसा माहौल बन रहा है, जहां एक मुख्यमंत्री को अपनी सुरक्षा की चिंता करनी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है और लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। गहलोत ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी को सीमित मत प्रतिशत के बावजूद देश का

व्यापक समर्थन मिला, लेकिन उन्होंने इस समर्थन का उपयोग सर्वसमावेशी राजनीति के बजाय *कांग्रेस मुक्त* या *विपक्ष मुक्त* भारत जैसे नारों में किया। उन्होंने आरएसएस और बीजेपी की विचारधारा पर सवाल उठाते हुए कहा कि *हिंदू खतरे में है* जैसे मुद्दों के जरिए लोगों को गुमराह किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने युवाओं, छात्रों और नई पीढ़ी से देश की वर्तमान परिस्थितियों को समझने और विचारधारात्मक रूप से जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री और नौकरी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि देश किस दिशा में जा रहा है। गहलोत ने देश में बढ़ती आर्थिक असमानता पर भी चिंता जताई और कहा कि एक ओर लोग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संसाधनों का असमान वितरण हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश एक कठिन दौर से गुजर रहा है और जरूरत है कि जनता सच को समझे और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सजग रहे।

डॉक्टर ने अगर बाहर की दवा लिखी तो कार्रवाई होगी : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए है कि सरकारी अस्पतालों में दवा का रिकॉर्ड रियल टाइम सेंट्रलाइज्ड पोर्टल पर होगा। किस अस्पताल में कौन सी दवा उपलब्ध हैं, उस बारे में चिकित्सक को बताया जाएगा। ताकि बाहर की दवा लिखने की गुजाइंश न बचे, अगर फिर भी किसी डॉक्टर द्वारा बाहर से मिलने वाली दवा किसी मरीज की ओपीडी स्लीप पर लिखी जाती है, तो डॉक्टर उस बारे में अस्पताल में दवा उपलब्ध न होने की बात लिखेंगे। इतना ही नहीं, इस कार्य के लिए सीएमओ की जवाबदेही तय होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक एवं विस्तृत समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारिओं को सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों की स्थिति, ओपीडी प्रबंधन, डॉक्टरों व स्टाफ की तैनाती, दवा एवं उपकरणों की खरीद प्रक्रिया तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता को सुनिशित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल आने वाले मरीज को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं, उपकरणों एवं सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी की स्थिति किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अस्पतालों में दवाओं के स्टॉक की रियल टाइम मॉनिटरिंग प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि दवाओं की उपलब्धता पर निरंतर नजर रखी जा सके और आवश्यकतानुसार समय रहते आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में दवा की खरीद इत्यादि को लेकर 1 साल के लिए पैनल इत्यादि की व्यवस्था की जाएं। सीएमओ 4 दिन पहले ही पैनल संबंधित एजेंसियों को दवा उपलब्धता बारे बता दें, ताकि किसी अस्पताल में दवा की कमीं न रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि चिकित्सकों द्वारा मरीजों को अनावश्यक रूप से बाहर की दवाइयां लिखने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखा जाए। इस संबंध में तय दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएं, ताकि मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े और उन्हें सरकारी अस्पतालों में ही समुचित उपचार मिल सके।

गैर राजनीतिक परिवारों के युवाओं को पार्टी से जोड़ने पर होगा मुख्य फोकस : संजय सरावगी

पटना (हिंस)। भाजपा अगले महीने स्थापना दिवस मनाने जा रही है। स्थापना दिवस पर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बिहार भाजपा द्वारा पार्टी के स्थापना दिवस को लेकर व्यापक तैयारी की जा रही है। 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस को लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने एक बैठक की। इस बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री भिखू भाई दलसानिया, प्रदेश महामंत्री राधामोहन शर्मा सहित पार्टी के अन्य सम्मानित पदाधिकारी एवं समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वर्चुअल माध्यम से हुए इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में जिला और मंडल के पदाधिकारी भी जुड़े। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की गई। साथ ही स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को भव्य, सुव्यवस्थित एवं जनसंपर्क को सुदृढ़ करने के लिए विस्तृत बातचीत हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि देश के कोने-

कोने से करोड़ों कार्यकर्ता पार्टी के स्थापना दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं तथा सेवा भाव और राष्ट्र प्रथम के मूलमंत्र को अपनाते हुए कार्य करने का संकल्प लेते हैंइस बार स्थापना दिवस पर गैर राजनीतिक परिवारों के युवाओं को पार्टी से जोड़ने, पार्टी की नीतियों और उसके कार्यों तक उन तक पहुंचाना हम लोगों का मुख्य फोकस होगा। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसे लेकर जिला, मंडल से लेकर बूथ स्तर पर व्यापक तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार पार्टी के स्थापना दिवस पर छह अप्रैल से 12 अप्रैल तक भाजपा स्थापना दिवस को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पांच से सात अप्रैल को पार्टी पदाधिकारी कार्यालय की सजावट करेंगे, छह अप्रैल को विकास यात्रा होगी। कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर भाजपा का ध्वजारोहण करेंगे और उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करेंगे। 6 या 7 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक और सक्रिय सदस्यों के साथ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक और सक्रिय सदस्य स्थापना दिवस मनाएंगे। आठ और नौ अप्रैल को जिला कार्यालय में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न चयनित विषयों जैसे भाजपा के संगठनात्मक विस्तार और चुनावी सफलताओं में जन समर्थन पर चर्चा की जाएगी। इसमें वक्ता जिला और प्रदेश के नेता होंगे। इस दौरान सात से 12 अप्रैल तक गाँव बस्ती चलो अभियान चलाया जाएगा जिसमें सभी पार्षद, पंचायत सदस्यों के ऊपर के जनप्रतिनिधियों सहित पार्टी के सभी कार्यकर्ता भाग लेंगे। यह कार्यक्रम एक विधानसभा में 50 बड़े गांव में आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मान, गणमान्य लोगों से संपर्क और उनका सम्मान, एनडीए सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तर पर स्थापना दिवस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए एक टोली बनाई गई है। इस टोली में प्रदेश महामंत्री राधामोहन शर्मा, पूर्व विधायक पवन जायसवाल, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष पिंकी कुशवाहा, पूर्व कार्यालय मंत्री सत्यपाल नरोत्तम और अभियान मुख्यालय प्रभारी राजीव रंजन को शामिल किया गया है। इसके अलावा इन कार्यक्रमों की सफलता के लिए प्रदेश के 13 भागों में क्षेत्रवार कार्यक्रम प्रभारी भी बनाए गए हैं।

बिहार में बिजली दरों पर सियासत तेज, तेजस्वी यादव का राज्य सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

पटना (हिंस)। बिहार में 1 अप्रैल से बिजली दरों में संभावित बड़े बदलाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तीखा हमला बोला है और चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव के दौरान 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा करने वाली सरकार अब महज चार महीने में ही अपने वादे से पलट गई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि *नीतीश-भाजपा फिर पलटी मार गई* और जनता से अधिक बिजली शुल्क वसूलने की तैयारी कर रही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने दावा किया कि नई प्रस्तावित दरों के अनुसार शाम 11 बजे तक के सर्वाधिक खपत वाले 6 घंटों के लिए 8.10 रुपए प्रति यूनिट, रात 11 बजे से सुबह 9 बजे तक के 10 घंटों के लिए 7.10 रुपए प्रति यूनिट और शेष 8 घंटों के लिए 5.94 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिल लिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि 10 हजारिया के फेर में फौरी तौर पर खुश होकर वोट गिरवी रखने वालों को यह सरकार अभी इससे भी बुरे दिन दिखाएगी। नई सरकार के अभी 4 महीने ही हुए है, सरकार का खजाना एकदम खाली है और जो बचा-खुचा है उसे भ्रष्ट अधिकारी स्वयं समेट लेंगे। तेजस्वी ने कहा कि चुनाव आयोग की अनैतिकता, धूर्तता और निर्जल्लता के सानिध्य में मशीनी तंत्र के मार्फ़त जनतंत्र को खत्म करने के इरादे से लड़े गए इस चुनाव में भ्रष्ट भूंजा पार्टी एवं भ्रष्ट अधिकारियों के कार्टेल ने स्थापित लोकतांत्रिक मर्यादाओं, परंपराओं तथा लोकलाज को तार-तार करते हुए चुनाव के आखिरी 35 दिनों में (वोटिंग के समय तक भी) जो 41,000 हज़ार करोड़ रुपए नगद सरकारी खजाने का बांटा है, अब आगामी पांच साल तक उसकी जी भरकर वसूली करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि थके-हारे जिस चेहरे को सोची समझी साजिश और षड्यंत्र के तहत मोहरा बनाया गया, अब उसी अचेत चेहरे को भ्रष्ट और डरपोक सिंडिकेट ने इकरारनामे के तहत दरकिनार कर ही दिया है। देर-सवेर यह लोकतांत्रिक कलंक और आसमानी वादों की विफलता भी उन्हीं के माथे मढ़ी जाएगी। पूर्व की मेरी कहे अन्य तमाम बातों की तरह यह भी सत्य साबित होगा। बिहार में पहले से ही बेकाबू रिश्वतखोरी, लूट और अनियंत्रित भ्रष्टाचार का अब अकल्पनीय दौर शुरू होगा।

भगवान महावीर स्वामी की जयंती पर शोभायात्रा आज

जोधपुर (हिंस)। श्री महावीर जैन नवयुवक मंडल एवं भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति की ओर से अहिंसा के अवतार श्रमण भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत मंगलवार को शहर में शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में जैन धर्म, भगवान महावीर और उनके जीवन आदर्शों से ओत प्रोत लगभग सौ से अधिक झांकियां शामिल होगी। शोभायात्रा में शामिल अधिकांश झांकियां इको फ्रेंडली होगी। समिति अध्यक्ष बलवंत खिंवसरा, सचिव धीरज कुमार रांका व मीडिया प्रभारी प्रवीण सुराणा ने बताया कि समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 31 मार्च को सुबह 8.30 बजे पूजा अर्चना के पश्चात् फतेहपोल से शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा नवचौकिया, खाण्डाफलसा, जालोरीगेट, मेडिकल मार्केट, एमजीएच रोड, दिगंबर जैन मंदिर, स्टेशन रोड, सोजती गेट, महावीर मार्केट, त्रिपोलिया बाजार, कन्दोई बाजार, कटला बाजार, कपडा बाजार, सिरे बाजार होते हुए जूनी धानमण्डी स्थित महावीर स्वामी के मंदिर पर विसर्जित होगी तथा मुख्य शोभायात्रा में विभिन्न क्षेत्रों भैरूबाग, प्रतापनगर, गुरों का तालाब, महिलाबाग, शांतिपुरा, महामंदिर, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, कुडी भगतासनी, भगत की कोठी, बाडमेर भवन, मूथाजी मंदिर नागौरीगेट, पावटा, यूआईटी आदि क्षेत्र की उप शोभा यात्राएं जालोरी गेट एवं सोजती गेट से सम्मिलित होगी। इस बार शोभायात्रा में ई रिक्शा की पहल की गई है। तीर्थंकर महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष में भगवान महावीर जन्म महोत्सव प्रसादी समिति द्वारा महावीर प्रसादी एवं नवकार महामंत्र जाप का आयोजन मंगलवार को दोपहर तीन बजे से सूर्यास्त तक प्रतापनगर गुरों का तालाब रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय के केशव परिसर प्रांगण में रखा गया है जिमसें समाज के हजारों स्वजाति बंधु प्रसादी ग्रहण करेंगे।

सरकार ने एसीबी में अटैच किए दो आईपीएस व पांच एचपीएस अधिकारी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में करीब 750 करोड़ के बैंक घोटालों के बाद प्रदेश सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए सोमवार को स्टेट विजिलेंस एवं एंटी करप्शन ब्यूरो में कई आईपीएस व एचपीएस अधिकारियों को अटैच किया है। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। एसीबी की तरफ से इस समय मुख्य रूप से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक घोटाले कि जांच की जा रही है। इन बैंक घोटालों में कई वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने के संकेत मिले हैं। इसके अलावा कई वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के खिलाफ भी शिकायतों की जांच चल रही है। हरियाणा सरकार ने भ्रष्टाचार के मामलों में जांच को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य सतर्कता एवं एंटी करप्शन ब्यूरो को मजबूती दी है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल के अनुसार 2 आईपीएस और 5 एचपीएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से ब्यूरो में तैनात किया गया है। यह नियुक्तियां पहले जारी आदेश की कड़ी में की गई हैं, ताकि भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच तेज और प्रभावी ढंग से की जा सके। सभी अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से ड्यूटी ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए हैं। डीजीपी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार आईपीएस वसीम अकरम, एसपी/एसटीएफ, आईपीएस उपासना, एसपी/सीआईडी, अरविंद दहिया, एचपीएस, डीएसपी/स्टेट क्राइम ब्यूरो, हरियाणा, राहुल देव, एचपीएस, एसीपी, सोनीपत, मनीष सहगल, एचपीएस, डीएसपी, द्वितीय आईआरबी, भोंडसी, प्रियंशु देवान, एचपीएस, एसीपी, गुरुग्राम तथा अभिलक्ष जोशी, एचपीएस, एसीपी, गुरुग्राम को स्टेट विजिलेंस एवं एंटी करप्शन ब्यूरो में तैनात किया गया है।

अफवाह से पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतार, लोगों में मची अफरा-तफरी

सुपौल (हिंस)। जिले के निर्मली में सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाह फैलने से हड़कंप मच गया। सुबह होते ही बड़ी संख्या में वाहन चालक स्थानीय पेट्रोल पंपों पर पहुंच गए, जिससे कई जगहों पर लंबी कतारें लग गईं। बताया जाता है कि पंसारी पेट्रोल पंप पर विशेष रूप से भारी भीड़ देखने को मिली। यहां लोग अपनी गाड़ियों में पेट्रोल और डीजल भरवाने के लिए घंटों इंतजार करते रहे। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण कुछ समय के लिए अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। इस संबंध में पेट्रोल पंप प्रबंधन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। पंप के मैनेजर शंभु कुमार ने कहा कि अफवाह के कारण एक ही

समय में बड़ी संख्या में लोग पेट्रोल पंप पर पहुंच गए, जिससे भीड़ बढ़ गई।उन्होंने बताया कि सभी वाहन चालकों को क्रमवार पेट्रोल और डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है। ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और इसमें किसी तरह की कोई बाधा नहीं है। प्रशासन और पेट्रोल पंप प्रबंधन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से पेट्रोल पंपों पर भीड़ न बढ़ाएं। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और ईंधन की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी है।

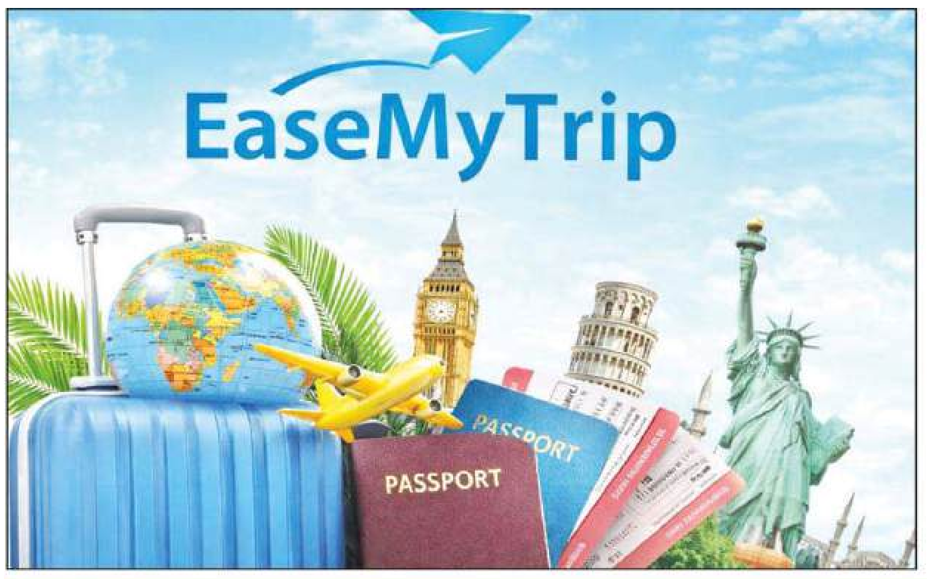

गर्मियों में यात्रा करना हुआ आसान, होटल और आनलाइन प्लेटफार्म दे रहे आकर्षक डील्स

ईजमाईट्रिप सेलः उड़ान और होटल बुकिंग पर 5,000-10,000 रुपए तक की छूट

नई दिल्ली

गर्मियों के मौसम में यात्रा करने वालों के लिए सरोवर होटल्स ने विशेष आफर की घोषणा की है। होटल की इस योजना के तहत यदि कोई मेहमान दो रात रुकता है, तो तीसरी रात मुफ्त दी जाएगी। इसके साथ ही भोजन और पेय पदार्थों पर 15 प्रतिशत तक की छूट भी उपलब्ध है। छोटे बच्चों के लिए भी होटल ने खास सुविधा दी है, 10 साल तक के बच्चे मुफ्त ठहर सकते हैं और भोजन का लाभ उठा सकते हैं। होटल व्यवसायियों का कहना है कि गर्मियां भारत में सबसे मजबूत यात्रा सीजन होती हैं। इस दौरान लोग परिवार के साथ यात्रा करते हैं। हम चाहते हैं कि मेहमान बिना चिंता लंबे समय तक हमारे होटल में ठहरें और हमारी सुविधाओं का आनंद लें। इस आफर का उद्देश्य परिवारों और बड़े समूहों को आकर्षित करना और उन्हें किफायती दरों पर लंबी ठहराई का अनुभव देना है। केवल होटल ही नहीं, बल्कि आनलाइन ट्रैवल प्लेटफार्म भी गर्मियों में यात्रियों को आकर्षित करने के लिए कई तरह के आफर पेश कर रहे हैं। क्लियरट्रिप ने अपने वार्षिक नैशन आन वेकेशन अभियान के तहत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों, होटल बुकिंग, बस सेवाओं और हालिडे पैकेज पर भारी छूट की पेशकश की है। क्लियरट्रिप की एक अधिकारी ने बताया कि हम चाहते हैं कि हमारी पेशकश से मेहमानों में यात्रा करने का उत्साह बढ़े और वे बिना किसी खटके के अपनी छुट्टियां प्लान कर सकें। हमारे सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पर भी आकर्षक आफर उपलब्ध हैं। ईजमाईट्रिप ने भी गर्मियों के लिए विशेष आफर पेश किया है। कंपनी उड़ानों पर 5,000 रुपये और होटल बुकिंग पर 10,000 रुपये तक की छूट दे रही है। ईजमाईट्रिप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जैसे-जैसे गर्मियों का सीजन करीब आ रहा है, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थलों की मांग बढ़ रही है। हमारा उद्देश्य ग्राहकों को प्रतिस्पर्धी मूल्य पर यात्रा विकल्प प्रदान करना है। हालांकि, आने वाले समय में यात्रा की लागत बढ़ने की संभावना है। पश्चिम एशिया में युद्ध और तेल की बढ़ती कीमतों के कारण एयरलाइन संचालन महंगा हो सकता है। सरकार द्वारा मुफ्त सीट आवंटन का आदेश हटने और किराया सीमा समाप्त होने से हवाई टिकट की कीमतें बढ़ सकती हैं। ऐसे में होटल और ट्रैवल प्लेटफार्म के आफर्स यात्रियों के लिए समय से पहले बुकिंग करने का लाभदायक अवसर बन गए हैं। गर्मियों के मौसम में यात्रियों के लिए होटल और ट्रैवल कंपनियां आकर्षक छूट, मुफ्त सुविधाओं और पैकेज डील्स के माध्यम से सेवाएं दे रही हैं। यह रणनीति न केवल बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद कर रही है, बल्कि यात्रियों को किफायती और आरामदायक यात्रा विकल्प भी प्रदान कर रही है। इस समय यात्रा की योजना बनाने वाले परिवार और समूह इन आफर्स का फायदा उठा सकते हैं और गर्मियों की छुट्टियों का आनंद ले सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

टाटा सियेरा एसयूवी का बढता जा रहा वेटिंग पीरियड

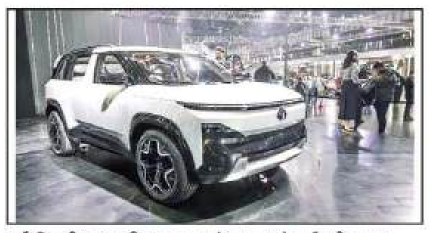

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स की टाटा सियेरा को जबरदस्त रिस्पान्स मिल रहा है। इस एसयूवी की डिलीवरी का वेटिंग पीरियड लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल ही में कंपनी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें गुजरात के अहमदाबाद में एक डीलर द्वारा एक ही दिन में 101 सिएरा एसयूवी की डिलीवरी करते हुए दिखाया गया है। वीडियो में भव्य डिलीवरी सेरेमनी का आयोजन नजर आता है, जहां ग्राहकों को औपचारिक तरीके से चाबियां सौंपी जाती हैं और वे अपनी नई कार लेकर निकलते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब इतनी बड़ी संख्या में डिलीवरी की गई हो। इससे पहले मध्य प्रदेश में भी एक दिन में 100 से ज्यादा यूनिट्स की डिलीवरी हो चुकी है। जनवरी 2026 से शुरू हुई डिलीवरी के बाद अब तक 14 हजार से अधिक यूनिट्स ग्राहकों तक पहुंचाई जा चुकी हैं। इंजन विकल्पों की बात करें तो टाटा सियेरा तीन अलग-अलग इंजन आप्शन के साथ आती है। इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन, 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 1.5 लीटर टर्बो डीजल इंजन शामिल हैं, जो अलग-अलग पावर और टार्क आउटपुट के साथ उपलब्ध हैं। ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार मैनुअल और आटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प चुन सकते हैं। फीचर्स के मामले में भी यह एसयूवी काफी एडवांस है। इसमें बड़ा पैनोरमिक सनरूफ, ट्रिपल-डिस्प्ले सेटअप, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड सीट्स और लेवल-2 अडास जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा 6 एयरबैग, एलईडी हेडलाइट्स और इलेक्ट्रिक टेलगेट जैसी सेफ्टी और कंफर्ट सुविधाएं भी शामिल हैं।

इलेक्ट्रिक एसयूवी टोयोटा अर्बन क्रूजर इबेला पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कार निर्माता कंपनी टोयोटा ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी टोयोटा अर्बन क्रूजर इबेला को पेश कर दिया है। यह माडल सुजुकी के साथ मिलकर डेवलप किया गया है और हर्टेक्ट ई स्केटबोर्ड प्लेटफार्म पर आधारित है। मिडसाइज सेगमेंट में उतारी गई यह फीचर-लोडेड ईवी जल्द ही कीमत के साथ लान्च की जाएगी। इसका निर्माण गुजरात स्थित प्लांट में किया जा रहा है। बाजार में इसका मुकाबला मारुति सुजुकी ई विटारा, हयूंदै क्रेटा इलेक्ट्रिक, एमजी झेडएस ईवी, महिंद्रा एक्सयूवी 400 और टाटा क्रूव ईवी जैसे माडलों से होगा। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। पहला 49 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक है, जो करीब 142 बीएचपी की पावर देता है, जबकि दूसरा 61 केडब्ल्यूएच का बड़ा बैटरी पैक है, जो लगभग 171.5 बीएचपी की पावर और 189 एनएम टार्क जनरेट करता है। बड़ी बैटरी के साथ कंपनी ने 543 किलोमीटर तक की रेंज का दावा किया है। दोनों वेरिएंट में एसी चार्जिंग के साथ सीसीएस2 डीसी फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट मिलेगा। इंटीरियर की बात करें तो इसमें 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जिसमें वायरलेस कनेक्टिविटी मौजूद है। टाप वेरिएंट में वेंटिलेटेड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग, पैनोरमिक ग्लास रूफ, वायरलेस चार्जिंग और जेबीएल साउंड सिस्टम जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलते हैं। रियर सीट्स में स्लाइड और रिक्लाइन फंक्शन भी दिया गया है। कीमत की बात करें तो इसकी एक्स-शोरूम कीमत 17 लाख से 21 लाख रुपये के बीच रहने का अनुमान है।

डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलनः ई-कामर्स सीमा शुल्क पर भारत और अमेरिका में मतभेद

नई दिल्ली। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ।

सम्मेलन में सदस्य देशों ने इलेक्ट्रानिक ट्रांसमिशन (ई-कामर्स) पर सीमा शुल्क न लगाने की मौजूदा प्रथा को 30 जून, 2031 तक बढ़ाने पर विचार किया। लगभग तीन दशकों से सदस्य देश हर दो साल में इस रोक को बढ़ाते रहे हैं। हालांकि, भारत ने राजस्व हानि की चिंताओं का हवाला देते हुए स्थायी रोक लगाने का विरोध किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीमा शुल्क में छूट के दायरे और संभावित प्रभाव पर सदस्य देशों के बीच कोई आम सहमति नहीं है, इसलिए इसे लगातार आगे बढ़ाने के फैसले पर बारीकी से गौर करना आवश्यक है। अमेरिका सहित अधिकतर विकसित देश इस रोक को स्थायी बनाने के पक्ष में हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने वीडियो संदेश में कहा कि अमेरिका केवल कुछ समय के लिए रोक बढ़ाने में दिलचस्पी नहीं रखता। उनका कहना था कि इससे अमेरिकी व्यवसायों को दीर्घकालिक निश्चितता नहीं मिलेगी।

फाक्सवेगन के नए व अपडेटेड माडल लांच होंगे बाजार में

नई दिल्ली

फाक्सवेगन कंपनी भारतीय बाजार में लगातार नई रणनीतियों पर काम कर रही है। कंपनी कुछ नए और अपडेटेड माडल पेश करने की तैयारी में है। ये नए और अपडेटेड माडल ग्राहकों की बदलती जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए लान्च किए जाएंगे। फाक्सवैगन की प्रमुख एसयूवी टायरोन का किफायती संस्करण जल्द भारत में देखने को मिल सकता है। फिलहाल बाजार में इसका उच्च श्रेणी वाला आर-लाइन माडल उपलब्ध है, जिसकी कीमत अधिक है। कंपनी अब इसका कम सुविधाओं वाला संस्करण लाने की तैयारी कर रही है, जिसमें वही इंजन दिया जाएगा, लेकिन शक्ति और कुछ विशेष सुविधाएं कम हो सकती हैं, जिससे यह ज्यादा ग्राहकों की पहुंच में आए।

पिछले साल लान्च हुई फाक्सवेगन गोल्फ जीटीआई को भारतीय बाजार में शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। इसकी सीमित संख्या में आई गाड़ियां बहुत जल्दी बिक गईं। कंपनी अब इसका नया बैच पेश करने की योजना बना रही है, जिसमें कुछ अतिरिक्त सुविधाएं भी जोड़ी जा सकती हैं। यह कार दमदार इंजन और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जानी जाती है, जिससे कार प्रेमियों के बीच इसका आकर्षण बरकरार रहेगा।

इसके अलावा, लोकप्रिय एसयूवी फाक्सवेगन टाइगुन का नया संस्करण भी जल्द बाजार में आ सकता है। परीक्षण के दौरान इसका नया रूप कई बार देखा गया है। इसमें बाहरी डिजाइन में बदलाव के साथ नई ग्रिल, हेडलाइट, बंपर और पहियों का नया स्वरूप देखने को मिल सकता है। अंदरूनी हिस्से में भी कई आधुनिक सुविधाएं जोड़ी जा सकती हैं। इसके अलावा इसमें अलग-अलग इंजन विकल्प दिए जाएंगे, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार विकल्प चुन सकेंगे।

तीन नई एसयूवी लान्च करेगी किआ इंडिया कंपनी

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी किआ इंडिया अब अपने प्रोडक्ट लाइनअप को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। किआ इंडिया कंपनी जल्द ही तीन नई एसयूवी लान्च करने की तैयारी में है, जिनमें हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक विकल्प भी शामिल होंगे। किआ की आने वाली गाड़ियों में किआ सोरेंटो हायब्रिड, किआ सेल्टोस जीटीएक्स प्लस और किआ सिरोज ईवी प्रमुख हैं। सोरेंटो हाइब्रिड को कंपनी इस साल के अंत तक लान्च कर सकती है। यह 7-सीटर एसयूवी होगी और भारत में किआ की पहली हाइब्रिड पेशकश मानी जा रही है। इसमें प्रीमियम डिजाइन, बड़े टचस्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स मिलने की संभावना है। इसकी कीमत 20 से 30 लाख रुपये के बीच हो सकती है। वहीं, कंपनी अपनी लोकप्रिय किआ सेल्टोस का नया टाप-एंड वेरिएंट जीटीएक्स प्लस भी पेश करने जा रही है। इस वेरिएंट में लेवल-2 अडास और बेहतर सेमी-आटोनामस ड्राइविंग फीचर्स जोड़े जा सकते हैं। साथ ही, इसमें स्पोर्टी डिजाइन और नए कास्मेटिक अपडेट देखने को मिलेंगे, जबकि इंजन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। इसके अलावा किआ सिरोस ईवी भी जल्द बाजार में दस्तक दे सकती है। यह के1 प्लेटफार्म पर आधारित होगी और इसमें 42 केडब्ल्यूएच और 49 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक विकल्प मिलने की संभावना है। इसकी रेंज करीब 369 किलोमीटर तक हो सकती है और कीमत 15 से 20 लाख रुपये के बीच रहने की उम्मीद है।

आटो सेक्टर में तेज रफ्तार, मार्च 2026 में मजबूत बिक्री की उम्मीद

नई दिल्ली

आटो सेक्टर में इस समय जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है और मार्च 2026 कंपनियों के लिए मजबूत कमाई का संकेत दे रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी महीने में लगभग सभी आटो सेगमेंट में अच्छी ग्रोथ दर्ज होने की संभावना है। बेहतर ग्राहक भावना, बढ़ती आय और आसान फाइनेंसिंग के चलते बाजार में मांग लगातार बनी हुई है।

ग्राहक मांग, आसान फाइनेंसिंग और ग्रामीण मजबूती से सभी सेगमेंट में ग्रोथ

पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में खास मजबूती दिख रही है। प्रमुख कंपनियों की रिटेल बिक्री में करीब 15 प्रतिशत की सालाना बढ़त का अनुमान है, जबकि थोक बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत उछाल संभव है। महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स को नए माडल्स से फायदा मिल रहा है, वहीं मांग मजबूत है, हालांकि उत्पादन सीमाएं थोड़ी चुनौती बनी हुई हैं। दोपहिया सेगमेंट में भी तेजी कायम है। शादी के सीजन और पिछले साल के कम आधार के कारण बिक्री में करीब 21 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान है। हालांकि रायल इनफील्ड पर निर्यात दबाव का असर देखा जा सकता है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी मांग मजबूत बनी हुई है, जहां लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। माल ढुलाई की बढ़ती जरूरत इस ग्रोथ को सपोर्ट कर रही है। सबसे ज्यादा तेजी ट्रैक्टर सेगमेंट में देखने को मिल रही है। अच्छी बारिश, बेहतर फसल और किसानों की आय में सुधार से ग्रामीण मांग मजबूत हुई है। साथ ही, जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने से लागत कम हुई है, जिससे बिक्री में करीब 23 प्रतिशत की बढ़त संभव है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण निर्यात पर कुछ दबाव बना रह सकता है।

कच्चे तेल की आंच से झुलसे एशियाई बाजार

नई दिल्ली। ईरान में जारी युद्ध और तेल कीमतों में तेज बढ़ोतरी की चिंता के बीच सोमवार सुबह एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली। एशियाई बाजारों में यह गिरावट पिछले शुक्रवार वाल स्ट्रीट में आई बड़ी गिरावट के बाद देखने को मिली, जहां लगातार पांचवें सप्ताह बाजार नुकसान में बंद हुआ, जो लगभग चार साल में सबसे लंबा गिरावट का सिलसिला है। जापान का प्रमुख सूचकांक निक्केई 225 सुबह के कारोबार में 4.5 फीसदी गिरकर 50,979.54 पर आ गया। आस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 1.2 फीसदी गिरकर 8,417.00 पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 3.2 फीसदी गिरकर 5,264.32 पर आ गया। हांगकांग का हैंग सेंग 1.7 फीसदी गिरकर 24,519.63 पर और शंघाई कम्पोजिट 0.7 फीसदी गिरकर 3,884.57 पर बंद हुआ। जापान और एशिया के अन्य देशों में होर्मुज जलडमरूमध्य तक पहुंच में बाधा को लेकर चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यह क्षेत्र कच्चे तेल आपूर्ति के लिए इस मार्ग पर काफी निर्भर है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,48,060 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,35,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु शुरुआती कारोबार के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,48,210 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,48,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,48,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,48,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,48,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,48,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,35,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,48,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी जंग के और तेज होने की आशंका और हूती विद्रोहियों के भी इस जंग में शामिल हो जाने के कारण ग्लोबल मार्केट पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। दुनिया के ज्यादातर शेयर बाजार बड़ी गिरावट का संकेत दे रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट का शिकार होकर बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आमतौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 108.31 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,368.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 459.72 अंक यानी 2.15 प्रतिशत फिसल कर 20,948.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 45,154.57 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,967.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.87 प्रतिशत लुढ़क कर 7,701.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 312.22 अंक यानी 1.40 प्रतिशत टूट कर 22,300.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आम तौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,922.72 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 285.50 अंक यानी 1.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,541.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 228.88 अंक यानी 0.92 प्रतिशत फिसल कर 24,723 अंक के स्तर पर आ गया है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,791.07 अंक यानी 3.36 प्रतिशत फिसल कर 51,582 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 148.50 अंक यानी 2.73 प्रतिशत टूट कर 5,290.37 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 502.36 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 32,610.23 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.59 प्रतिशत टूट कर 7,055.45 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत लुढ़क कर 1,444.84 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,892.77 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

हाकी इंडिया ने की 31 सदस्यीय सीनियर महिला राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर की घोषणा

9 2026 के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की तैयारियों के तहत आयोजित होगा शिविर 9

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने सोमवार को भारतीय महिला हाकी टीम के लिए 1 से 9 अप्रैल 2026 तक सीनियर महिला राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर की घोषणा की है। यह शिविर आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारियों के मद्देनज़र आयोजित किया जा रहा है। भारतीय टीम हाल ही में एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर) में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतने के साथ-साथ एफआईएच महिला हाकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। ऐसे में यह शिविर टीम के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। नए मुख्य कोच सजोर्ड मरिजन के मार्गदर्शन में इस शिविर का मुख्य उद्देश्य टीम संयोजन तैयार करना, फिटनेस स्तर में सुधार लाना और खेल की रणनीति को और धार देना होगा। भारतीय टीम जून में एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप 2026 में हिस्सा लेगी, जिसके बाद अगस्त में विश्व कप और फिर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान में होने वाले एशियाई खेल 2026 में भाग लेगी। शिविर को लेकर कोच ने कहा, यह शिविर हमारे लिए एक अहम कदम है। हमारा ध्यान निरंतरता सुधारने, टीम संरचना को मजबूत करने और खिलाड़ियों को शारीरिक व मानसिक रूप से तैयार करने पर रहेगा। हमारा लक्ष्य ऐसी टीम बनाना है जो बड़े मुकाबलों में दबाव झेलकर बेहतर प्रदर्शन कर सके। 31 सदस्यीय दल

गोलकीपर: सविता, माधुरी किंडो, बिछू देवी खरीबाम, बंसारी सोलंकी।

डिफेंडर्स: निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंथलुआंगी, ज्योति, उदिता, शिल्पी डबास।

मिडफील्डर: सुशीला चानू पुखरंबम, मनीषा चौहान, वैशणवी विठ्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, इशिका।

फारवर्ड: दीपिका सोरेंग, रुतजा दादासो पिसाल, बलजीत कौर, नवनीत कौर, दीपिका, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, हीना बानो, सोनम, लालरेमसियामी, मुमताज खान, संगीता कुमारी (रिहेब)।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल में सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज है ऋषभ, ईशान छठवें स्थान पर आये

मुम्बई। आईपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। उन्होंने 2080 गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाए हैं। ऋषभ अभी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान हैं और इस सत्र में उनके प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में सूची में दूसरे नंबर पर पूर्व आलराउंडर युसूफ पठान हैं। पठान ने 2082 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूची में तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव का नाम है। यादव ने 2130 गेंदों का सामना करते हुए आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए हैं। इस सूची में चौथे स्थान पर पूर्व बल्लेबाज और सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने 2135 गेंदों में 3000 रन बनाए हैं। रैना के बाद इस सूची में महेंद्र सिंह धोनी का नाम है। धोनी इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 2152 गेंदों में 3000 रन बनाने का कारनामा किया है। वहीं स सूची में अब 6वें नंबर पर ईशान किशन का नाम आ गया है और उन्होंने 2180 गेंदों में अपने तीन हजार रन पूरे किए हैं। लोकेश राहुल सूची में 7वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 2203 गेंदों में 3000 रन बनाए थे। सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तान संभाल रहे ईशान किशन ने आईपीएल के इस सत्र के पहले ही मैच में अपने इरादे जता दिये है। ईशान ने पहले ही मैच में 8 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 80 रन बनाकर किशन का स्ट्राइट रेट 210 से ज्यादा का रहा। इस धमाकेदार पारी के साथ ईशान ने 2180 गेंदों पर अपने 3000 रन पूरे किये। ईशान के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 2016 में अपना आईपीएल डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह लगातार आगे बढ़त रहे हैं। उन्होंने ने अब तक कुल 120 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसकी 113 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 29.6 की औसत और 138.90 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 3078 रन बनाए हैं।

सैम करन बोले, कोच मैक्कुलम से उनका हुआ था टकराव

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम और क्रिकेट डायरेक्टर राब की के रवैये पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। हाल ही में लियाम लिविंगस्टोन और जानी बेयरस्टो ने इन दोनो की नीतियों पर सवाल उठाये थे। वहीं अब आलराउंडर सैम करन ने कहा है कि एक बार टीम से बाहर किये जाने पर उनका कोच से टकराव तक हो गया था। काउंटी क्रिकेट सत्र के ठीक पहले करन के आये इस बयान से साफ है कि इंग्लैंड की टीम से बाहर किए गए खिलाड़ियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता है।करन ने कहा कि इसी कारण एक बार उन्होंने गुस्से में कोच से पूछ लिया कि उन्हें टेस्ट टीम से इतने लंबे समय तक बाहर क्यों रखा गया। करन एक साल से अधिक समय तक सीमित ओवर टीम से भी बाहर रहे थे। करन ने कहा, मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है। मैं टीम से बाहर था और बस मैंने कोच से पूछा कि मुझे क्या करना है तब उन्होंने कहा कि जाओ कुछ रन बनाओ और कुछ विकेट लो। इसके बाद मैंने वही किया और इससे मुझे टीम में वापसी का अवसर मिला। मैंने इस प्रकार सही दिशा में पहल की। गौरतलब है कि कि सैम इंग्लैंड की टी20 विश्व कप की टीम में भी शामिल थे। यहां उन्होंने नेपाल के खिलाफ टीम को जीत भी दिलाई थी। पिछले सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 3 बार सबसे अधिक रन बनाये हैं।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं।

फिडे कैंडिडेट्स 2026 : पहले दौर में आर. प्रज्ञानानंद की शानदार जीत, दिव्या और वैशाली ने खेल बराबरी पर छोड़ा

नई दिल्ली

फिडे कैंडिडेट्स 2026 के पहले दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को उच्च वरीयता प्राप्त अनीश गिरी को पराजित कर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

प्रज्ञानानंद ने मुकाबले को अंतिम चरण तक खींचते हुए गिरी पर लगातार दबाव बनाए रखा। लगभग 40 चालों के बाद भारतीय खिलाड़ी ने एक प्यादा बढ़त के साथ निर्णायक बढ़त बना ली, जिससे गिरी की वापसी की संभावना समाप्त हो गई।

दिन के सबसे चर्चित मुकाबले में अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने हमवतन हिकारू नाकामुरा को रोमांचक और लंबे मुकाबले में मात दी। यह पहला दौर का सबसे लंबा खेल रहा।

अन्य मुकाबलों में उज्बेकिस्तान के जवोखिर सिंदारोव ने रूस के आंद्रेई एसिपेंको को हराया, जबकि जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम और चीन के वेई यी के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

महिला वर्ग में भारत की युवा ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने शुरुआती चरण में आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन यूक्रेन की अन्ना मुज़िचुक ने संयम बनाए रखते हुए मुकाबले को बराबरी पर समाप्त किया। उन्होंने समय रहते मोहरों की अदला-बदली कर स्थिति को संतुलित कर दिया।

एक अन्य मुकाबले में आर. वैशाली ने कजाखस्तान की बिबीसारा असाउबायेवा के खिलाफ सतर्क रणनीति अपनाते हुए मुकाबला बराबरी पर छोड़ा। मध्य चरण में वैशाली दबाव में दिखीं और समय भी कम था, लेकिन उन्होंने अंतिम क्षणों में सटीक चाल चलकर खेल को अतिरिक्त समय तक पहुंचाया और अंतत: परिणाम बराबरी रहा।

चीन की झू जिनर और तान झोंगयी के बीच मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा और अंत में बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं कैटरीना लाग्नो और अलेक्जेंड्रा गोरियाच्किना के बीच भी मुकाबला अनिर्णीत रहा।

परिणाम (पहला दौर):

ओपन वर्ग: जवोखिर सिंदारोव ने आंद्रेई एसिपेंको को हराया; मैथियास ब्लूबाम और वेई यी के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा; आर. प्रज्ञानानंद ने अनीश गिरी को पराजित किया; फैबियानो कारुआना ने हिकारू नाकामुरा को हराया।

अब अमेरिका में मेजर लीग में खेलेंगे अश्विन

चेन्नई। दिग्गज पूर्व आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्चिन अब अमेरिका में मेजर लीग (एमएलसी) टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेंगे। अश्विन ने इस लीग में खेलने के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकार्न्स फ्रैंचाइजी से करार किया है। इसके साथ ही अश्विन अमेरिकी लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। अश्विन ने दिसंबर 2024 में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद पिछले साल वह आईपीएल में सीएसके की ओर से उतरे थे पर उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। ऐसे में लीग के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसी कारण अब वह विदेशी लीग की ओर मुड़े हैं। वह पहली बार आईपीएल के अलावा किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलते दिखेंगे। ये पहली बार होगा जब वह आईपीएल के अलावा किसी लीग में खेलते दिखेंगे। इससे पहले उन्होंने आस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर के साथ करार किया था पर तब फिट नहीं होने के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था। अश्विन की टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकार्न्स अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। साल 2024 में वे फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन वाशिंगटन फ्रीडम से हार गए थे। ऐसे में टीम को अब उम्मीद रहेगी कि अश्विन के आने से उसे जीत मिलेगी। वहीं अश्विन भी इस लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इस लीग से अमेरिका में क्रिकेट का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा,हाल ही में मैंने डलास में एक प्रदर्शनी मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों का क्रिकेट के प्रति जुनून देखकर मुझे आश्चर्य हुआ था। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। साथ ही कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल के प्रति प्यार दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं इस लीग में खेलने जा रहा हूं। साल 2028 लास एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट भी शामिल किया गया है।

मियामी ओपन 2026: यानिक सिनर ने जीरी लेहेका को हराकर जीता खिताब, रचा सनशाइन डबल का इतिहास

मियामी

मियामी ओपन के बारिश से प्रभावित फाइनल में इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार रात चेक गणराज्य के जीरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ सिनर बिना एक भी सेट गंवाए सनशाइन डबल पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

विश्व नंबर दो सिनर ने मुकाबले में अपने पहले सर्विस पर 92 प्रतिशत अंक जीते और पूरे मैच के दौरान मिले तीनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इस जीत के साथ उन्होंने मास्टर्स 1000 मुकाबलों में बिना सेट गंवाए अपनी जीत की श्रृंखला को 17 तक पहुंचा दिया।

मुकाबले के बाद सिनर ने कहा, हमने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत की है, इसलिए मैं बेहद खुश हूं। अब घर लौटने को लेकर भी उत्साहित हूं। पहली बार सनशाइन डबल हासिल करना मेरे लिए अविश्वसनीय है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह संभव हो पाएगा।

बारिश के कारण मुकाबला लगभग 90 मिनट देर से शुरू हुआ। इसके बावजूद सिनर ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले सेट में जल्दी 3-1 की बढ़त बनाई और मजबूत सर्विस के दम पर सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरुआत में फिर बारिश के चलते खेल रोकना पड़ा, लेकिन वापसी के बाद सिनर ने अपना दबदबा कायम रखा।

लेहेका, जो अपने करियर का पहला मास्टर्स 1000 फाइनल खेल रहे थे, ने दूसरे सेट में कड़ा मुकाबला दिया। उन्होंने कई ब्रेक प्वाइंट बचाए और एक समय 4-3 की बढ़त भी बना ली, लेकिन सिनर ने निर्णायक क्षणों में बेहतर खेल दिखाते हुए वापसी की।

सिनर ने दूसरे सेट में अपने छठे ब्रेक प्वाइंट पर सफलता हासिल कर 5-4 की बढ़त बनाई और फिर अपनी सर्विस पर मैच जीत लिया।

गौरतलब है कि सिनर 2017 में रोजर फेडरर के बाद पहले खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने इंडियन वेल्स और मियामी ओपन खिताब लगातार जीते हैं। इस उपलब्धि को सनशाइन डबल कहा जाता है।

परिवार के दबाव में संन्यास लेते हैं खिलाड़ी : योगराज

चंडीगढ़। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह अपने बयानों के कारण हमेशा ही विवादों में घिरे रहते हैं। अब योगराज का कहना है कि अधिकतर खिलाडियों को इसलिए संन्यास लेना पड़ता है क्योंकि उनपर परिवार का दबाव होता है। योगराज ने साफ कहा कि उम्र को खिलाड़ी के प्रदर्शन से जोड़ना गलत है। उनके अनुसार फिटनेस और प्रदर्शन के आधार पर ही किसी खिलाड़ी को आंकना चाहिये ना कि उम्र के आधार पर।योगराज ने कहा कि, भारत मे लोग 40 की उम्र होते ही अपने को बूढ़ा मानने लगते हैं, वही महिलाएं 30 के बाद कहती हैं कि अब हम फिट नहीं रह सकते, बच्चे बड़े हो गए हैं इसलिए खेलना अब छोड़ दो पर मेरा मानना है कि खेल को उम्र से जोड़ना सही नही है। योगराज ने कहा कि, अक्सर घर की महिलाएं, पत्नियां आपको समझाने लगती हैं कि अब रिटायर हो जाओ, परिवार और बच्चों पर ध्यान दो जबकि मेरा मानना है कि खिलाड़ी और उसके करियर के बीच किसी को बाधक नही बनना चाहिए। एक खिलाड़ी जब तक फिट है खेल सकता है। योगराज ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी अभी खेलते रहना चाहिये क्योंकि अभी दोनो फिट है और इनके अंदार काफी क्रिकेट बचा हुआ है। इसलिए दोनो को ही मैदान में जमे रहकर दिखाना चाहिये कि वह दोनो अभी भी शीर्ष पर हैं।

पीएसएल में बाल टेम्परिंग विवाद: फखर जमान ने आरोपों से किया इनकार, 48 घंटे में आएगा फैसला

लाहौर

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान कथित बाल टेम्परिंग मामले ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। लाहौर के स्टार बल्लेबाज फखर जमान पर कराची की पारी के अंतिम ओवर से पहले गेंद की स्थिति बदलने का आरोप लगा है।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में फखर जमान अपने साथियों हैरिस रऊफ और कप्तान शाहिद अफरीदी के साथ चर्चा करते नजर आए। इसी दौरान आन-फील्ड अंपायर फैसल अफरीदी को कुछ संदेह हुआ और उन्होंने हस्तक्षेप किया।

अंपायर ने गेंद की जांच के बाद पाया कि उसकी स्थिति से छेड़छाड़ की गई है। इसके चलते कराची किंग्स को पांच रन का पेनल्टी दिया गया और अंतिम ओवर के लिए नई गेंद उपलब्ध कराई गई। इस फैसले ने मैच का रुख बदल दिया।

मैच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बयान जारी कर बताया कि फखर जमान पर लेवल-3 का आरोप लगाया गया है। यह आरोप खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के आचार संहिता के अनुच्छेद 2.14 के तहत है, जिसमें गेंद की स्थिति बदलना अपराध माना जाता है।

मैच रेफरी रोशन महानामा की अगुवाई में हुई सुनवाई में फखर जमान ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया। बोर्ड के अनुसार, अगले 48 घंटे में एक और सुनवाई होगी, जिसके बाद अंतिम फैसला सुनाया जाएगा।

मैच में अंपायरों द्वारा पांच रन की पेनल्टी दिए जाने के बाद कराची किंग्स को आखिरी ओवर में 9 रन की जरूरत थी, जिसे टीम ने सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। आलराउंडर अब्बास अफरीदी ने रऊफ की गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। अगर मैच रेफरी आरोपों की पुष्टि करते हैं, तो फखर जमान और लाहौर कलंदर्स टीम को कड़ी सजा का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें निलंबन या भारी जुर्माना शामिल हो सकता है।

300 मैच खेलने वाली पहली फ्रेंचाइजी टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुम्बई

मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले ही मैच में उतरने के साथ ही अपने 300 मैच पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। अब मुम्बई की टीम आईपीएल में 300 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। इस मैच में केकेआर के खिलाफ मुम्बई ने सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के साथ ही जीत दर्ज कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। आईपीएल ही नहीं विश्व की कोई अन्य फ्रेंचाइजी टीम 300 मैच नहीं खेल पायी है। कर मुम्बई ने केकेआर के खिलाफ मैच में उतरने के साथ ही अपना 278वां आईपीएल मैच खेला। वहीं इससे पहले उसने 22 मुकाबले चैंपियंस लीग टी20 में खेले थे। इस तरह अब तक कुल 300 टी20 मैच मुंबई इंडियंस ने खेलें हैं। मुंबई इंडियंस की बात करें तो यह फ्रेंचाइजी आईपीएल इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी है। इससे पहले मुम्बई ने आईपीएल में पांच खिताब जीते थे। बाद में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने भी लीग में पांच खिताब जीते। एमआई ने आईपीएल में अब तक 278 मैच खेले हैं। इनमें से 152 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 122 मुकाबले हारी हैं। 4 मुकाबले टीम के टाई रहे हैं, जिनमें से दो मैचों में जीत मिली है।

आईपीएल के इस सत्र में रनों के मामले में शीर्ष पर हैं रिकेल्टन

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अभी तक हुए मैचों में सबसे अधिक रनों के मामले में मुंबई इंडियंस के ओपनर रयान रिकेल्टन शीर्ष पर हैं। रिकेल्टन ने कोलकाता नाइट, राइडर्स के खिलाफ पहले ही मैच में 81 रन बनाये थे।वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन 80 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच खिलाड़ियों में रोहित शर्मा और विराट कोहली भी शामिल हैं। सूची में तीसरे नंबर पर भारत के रोहित शर्मा हैं। रोहित ने केकेआर के खिलाफ मुकाबले में 78 रन बनाये थे। वहीं विराट ने एसआरएच के खिलाफ 69 रनों की पारी खेली थी। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मुम्बई के खिलाफ 67 रन बनाए थे और वह शीर्ष पांच में है। आईपीएल 2026 में 1 अप्रैल तक सभी टीमें एक-एक मैच खेल लेंगी। इसके बाद ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के लिए संभावित सामने आयेंगे। वहीं 2 अप्रैल को केकेआर और सनराइजर्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच से खिलाड़ियों की दावेदारी ऑरेंज और पर्पल कैप के लिए पक्की होनी शुरु हो जाएगी।

29 हजार का आईफोन मिला मात्र 68 रूपए में

पंजाब यूनिवर्सिटी के बीटेक के एक स्टूडेंट निखिल बंसल ने स्नैपडील की वेबसाइट से 29 हजार का आईफोन 5एस गोल्ड सिर्फ 68 रूपए में खरीदा है। इस डील के बारे में निखिल ने बताया कि स्नैपडील की साइट पर आईफोन 5एस गोल्ड 99.7 प्रतिशत की छूट मिल रही थी। मैंने जैसे ही यह ऑफर देखा तुरंत ऑर्डर कर दिया। लेकिन उन्हें इस स्मार्टफोन की डिलिवरी नहीं की गई। कंपनी ने इसके पीछे तर्क दिया कि टेक्निकल प्रॉब्लम की वजह से यह ऑफर दिखाई दे रहा था जिसे कंपनी ने बाद में हटा लिया था। इस बात से गुस्साए निखिल ने उपभोक्ता कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कोर्ट में बताया कि कंपनी की वेबसाइट पर आईफोन 5एस 99.7 प्रतिशत की छूट के साथ मिल रहा था। साथ ही यह भी दावा किया गया था कि 16 जीबी का यह फोन स्मार्टफोन के सभी दमदार फीचर्स के साथ मिलेगा। वहीं, स्नैपडील ने कोर्ट में टेक्निकल प्रॉब्लम का तर्क रखा जिससे यह ऑफर वेबसाइट पर दिखाई दिया था लेकिन बाद में इसे हटा भी लिया गया था। अच्छी बात यह है कि कोर्ट ने स्नैपडील के तर्क को खारिज करते हुए यह आदेश दिया कि निखिल को यह फोन अब उसी ऑफर के साथ यानी 68 रूपए में उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्नैपडील पर 2000 रूपए का जुर्माना भी ठोंका।

पीला रंग के फल व सब्जियां में सेहत के राज

पपीता, बेल, केला, कद्दू यह सब खुशी के रंग होते हैं। इनमें लाइकोपीन, बिटामिन-ए, सी, पोटेशियम, फलेवोनायड पाया जाता है ये पोषक पदार्थ ब्लडप्रेशर को नियंत्रिता करते हैं। इनके सेवन से कब्ज और गले की जलन से छुटकारा मिलता है। यह आपकी हेल्थ के अलावा बालों मे चमक लाते है।

हिचकी रोकने के आसान उपाय

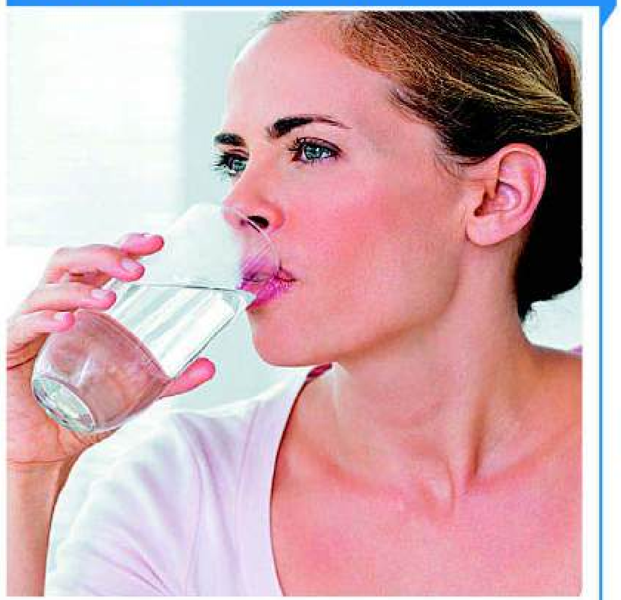

कहते है हिचकी तभी आती है जब कोई आपको दिल से याद करता है, लेकिन ऐसा नहीं है। जी हां हिचकी अचानक से मौसम बदलने, गर्म के बाद कुछ ठंडा खा लेने, सिगरेट पीने से और यहां तक कि ज्यादा चिंता करने तक से हिचकी आती है। जब भी हमें हिचकी आती हम कुछ देर के लिए परेशान हो जाते हैं। तो आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ ऐसे ही आसान उपाय जिससे कुछ सेकेंड्स में ही हिचकी बंद की जा सकती है।

एक गिलास ठंडा पानी

ऐसा माना जाता है कि हिचकी आने पर तुरंत ठंडा पानी पिया जाए तो यह रुक जाती है। कुछ लोग का कहना है कि पानी पीते समय आपको अपनी नाक भी बंद करनी चाहिए।

एक चम्मच शहद

हिचकी को रोकने में शहद भी है फायदेमंद। हिचकी आने पर एक चम्मच शहद खाना फायदेमंद रहता है, अचानक से शरीर को मिलने वाली शहद की मिठास नर्व्स को संतुलित करती है।

कुछ पल के लिए सांस रोकें

जानकारों का मानना है कि, हिचकी आए तो अपनी सांसों को कुछ पल के लिए रोक लेना चाहिए। यह बहुत ही पुराना नुस्खा है और इससे हिचकी रोकने में मदद भी खूब मिलती है।

पीनट बटर खाएं

बताया जाता है कि पीनट बटर खाने से भी हिचकी दूर होती है। जब यह आपके दांत और जीभ से होते हुए खाने की नली में उतरता है तो इससे सांस लेने की क्रिया भी प्रभावित होती है और यह हिचकी रोकती है।

उंगलियों को मुंह में डालें

ये तरीका थोड़ा अजीब जरूर है लेकिन अगर बहुत ही ध्यान से अपनी उंगली को मुंह में ले जाने से भी हिचकी रोकने में मदद मिलती है। ध्यान रहे जल्दबाजी में ऐसा करने से आपको खासी आ सकती है।

गर्दन पर आइस बैग

हिचकी आने पर गर्दन पर आइस बैग या ठंडे पानी में भीगा कपड़ा रखने से भी मदद मिलती है।

भारतीय मसालों में जो बात होती है वो किसी अन्य मसालों में नहीं होती, भारतीय मसाले न सिर्फ खाने को स्वादिष्ट बनाते है बल्कि बिमारियों से भी दूर रखते है और आपके स्वाद से लेकर सौंदर्य तक का पूर्ण ख्याल रखते है, क्या आप जानते है की डेली इस्तेमाल में आने वाले मसालें हमारे लिए कितने फायदेमंद होते है।

स्वाद संग सौंदर्य भी बढ़ाएं भारतीय मसाले

हींग

हेल्थ बेनिफिट्स

हींग के बिना दाल जैसे धागे के बिना सुई जी हां हींग के बगैर खाने में स्वाद नहीं आता, हींग का तड़का देने से खाना पौष्टिक व स्वादिष्ट बनता है। हींग हेल्थ बेनिफिट्स में भी अन्य तरीकों से काम आती है, कफ व पेट दर्द में आराम मिलता है, दांत दर्द होने पर गाल के बहरी हिस्से पर हींग का लेप लगाने से दर्द कम हो जाता है। नवजात शिशु को पेट दर्द होने पर नाभि के आसपास इसका लेप लगाने से बच्चे के पेट का दर्द दूर हो जाता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

हींग को गुलाबजल और मुल्तानी मिटटी में मिलाकर लगाने से झुर्रियां और चेहरे की बारीक लकीरे खत्म हो जाती है, इस फेस पैक को 15 मिनट तक लगाएं और फिर पानी से धो दें। हींग को कई अन्य तरीकों से भी इस्तेमाल किया जाता है जैसे टमाटर के गूदे में थोड़ी सी चीनी और हींग मिलाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखरता है।

दालचीनी

हेल्थ बेनिफिट्स

दालचीनी का सबसे ज्यादा फायदा बी पी के पेशेंट को होता है, बी पी कम होने पर दालचीनी की छोटी टुकड़ी मुह में रखने से आराम मिलता है, जानकारी के लिए बता दें की दालचीनी में इंफ्लेमेटरी गुण होते है, चोट लगने पर इसका लेप लगाने से आराम मिलता है, इसका सेवन करने से ब्लड कोलेस्ट्रोल भी कम होता है, रोज सुबह खाली पेट एक टी स्पून दालचीनी पाउडर में शहद मिलाकर गुनगुने पानी के साथ लेने से फायदा होता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

दालचीनी खूबसूरती को निखारने में काफी फायदेमंद मानी जाती है, इसके एंटी बैक्टीरियल तत्त्व ब्लड सर्कुलेशन को इम्प्रूव करने में मदद करते है। ये पिम्पल्स के लिए फायदेमंद है, दालचीनी का पेस्ट बनाकर पिम्पल्स वाली जगह पर लगाएं, आप चाहे तो पूरे चेहरे पर लगा सकती है, इससे मुरझाई त्वचा खिल उठेगी।

धनिया

हेल्थ बेनिफिट

धनिया न सिर्फ खाने के काम ही नही आती है, यह गले के दर्द, एलर्जी, तेज बुखार व पाचन संबंधी समस्याएं दूर करती है। गर्मियों में पिसी मिश्री के साथ धनिया खाने से शरीर ठंडा रहता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

धनिया के बीज को रातभर पानी में भिगोकर रखें, सुबह उस पानी को ऑय ड्राप की तरह इस्तेमाल करें, ये न सिर्फ आंखों को क्लीन करेगा बल्कि ठंडक का एहसास भी देगा, इसका कूलिंग इफेक्ट आंखों को ब्राइट, शाइनी और साफ रखता है।

राई

हेल्थ बेनिफिट्स

राई शरीर को स्वस्थ रखने और बिमारियों से लड़ने में काफी सहायक होती है, खासकर सर्दियों में रोज राई का सेवन करने से सर्दी व जमे हुए बलगम से निजात पा सकते है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

राई नेचुरल सुंदरता के तौर पर भी काम करती है, राई नेचुरल स्क्रब का काम करती है, इसे लेवेंडर या रोज आयल में मिक्स करके लगाएं, एलोवेरा जेल में सरसों मिलाकर लगाने से त्वचा हाइड्रेट रहती है व राई का तेल बालों को भी मजबूत बनता है।

कम समय में एक्टिव रहने के उपाय

ऑफिस में थकान दूर कर रहें फिट

सुबह की भागदौड़ और लंबे वर्किंग आवर्स की वजह से ऑफिस जाने वाले लोगों में अक्सर थकान, कमजोरी, नर्वस ब्रेकडाउन, बॉडी पेन की शिकायतें मिलती हैं।

सुबह ऑफिस जाने की जल्दी में न तो ठीक से नाश्ता होता है और न ही एक्सरसाइज। इस वजह से सुबह उठकर भी हम फ्रेश महसूस नहीं करते हैं। स मय की कमी की वजह से ये सब होता है। इसलिए हम आपको बता रहे हैं 5 ऐसे ट्रिक्स। इसकी मदद से आप ऑफिस में सुबह से लेकर शाम तक रह सकते हैं फ्रेश और एक्टिव।

स्ट्रेचिंग

लंबे वक्त तक लैपटॉप और कंप्यूटर पर काम करने की वजह से शरीर और आंखों में दर्द होता है। इससे निजात पाने के लिए स्ट्रेचिंग एक बेहतर उपाय है। इसके लिए आप अपनी सीट से कुछ देर के लिए उठिए। दोनों हाथों को ऊपर उठाकर स्ट्रेच करिए। हाथों की अंगुलियों को घुमाएं। इस सब से मांस-पेशियों में खिंचाव आएगा और खून का बहाव भी सामान्य होगा।

तनाव को रखें दूर

ऑफिस में काम को लेकर तनाव होना आम बात है। अच्छा है कि 2-3 घंटों तक लागातार काम करने के बाद कुछ देर के लिए रेस्ट लें। दिमाग को डायवर्ट कर रिलैक्स मोड पर डाल दें।

आंखों को करें रिलैक्स

ज्यादा देर तक कंप्यूटर पर टकटकी लगाकर न देखें। हर एक घंटे में थोड़ी देर के लिए आखों को बंद कर लें। इससे आंखों पर लगातार पड़ रहे दबाव से मुक्ति मिलेगी। आंखें रिलैक्स होंगी। 30 सेकन्ड के लिए पलकों को बार-बार बंद करें और खोलें। यह आंखों की अच्छी एक्सरसाइज है।

मील

दिन में एक बार जमकर खाने से बेहतर है कि हर दो घंटों में एक कंप्लीट मील लें। इसके लिए जरूरी है कि आपकी हर मील पोषक तत्वों से भरी होनी चाहिए। इस मील में फ्रूट्स, वेजिटेबल्स, चना, पोहा खाना चाहिए। यह हेल्दी होने के साथ ही आसानी से पच भी जाता है। पोषक तत्वों से भरी ये मील आपको एनर्जेटिक भी रखेगी।

वाकिंग

दिनभर कुर्सी पर बैठे रहना सेहत के लिए बहुत खराब हो सकता है। इससे पेट पर फैट बढ़ने के साथ ही बैकबोन संबंधी बीमारी की शिकायत भी हो सकती है। बेहतर है कि कुर्सी से उठकर बीच-बीच में 5-10 मिनट की वॉक लेते रहें।

वैलनैस इंडस्ट्री में कॅरियर को बनाएं बेहतर

वैलनैस इंडस्ट्री के तहत विभिन्न तंदुरुस्ती तथा सौंदर्य सेवाएं आती हैं, जिनका आनंद कोई व्यक्ति किसी सैलून अथवा केंद्र में उठा सकता है। पहले यह एक असंगठित उद्योग था, लेकिन अब देश के सकल घरेलू उत्पाद यानि देश की आय में इसका योगदान महत्वपूर्ण है। एक अध्ययन के अनुसार देश में वैलनैस इंडस्ट्री के इस वर्ष के अंत तक 1 लाख करोड़ रुपए का कारोबार करने का अनुमान है। इसमें आपके लिए बेहतर कॅरियर के विकल्प मौजूद हैं।

प्रशिक्षण संस्थान...

हाल के वर्षों में वैलनैस इंडस्ट्री में कॅरियर बनाने का प्रशिक्षण देने वाले देश में कई संस्थान खुले हैं। ये संस्थान वैलनैस के क्षेत्र में ट्रेनिंग व एजुकेशन प्रदान कर रहे हैं। मंत्रा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फिटनेस मैनेजमेंट, ओरिएंट स्पा इंस्टीट्यूट, एनएसएचएम उड़ान स्किल्स फाऊंडेशन जैसे कुछ संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोग्राम्स तथा कोर्सेज करवा रहे हैं। ग्लोबल इंडियन ब्यूटी एक्स्पो 2014 आदि इसी का उदाहरण है। देश में वैलनैस इंडस्ट्री में उज्ज्वल भविष्य बनाने की अपार संभावनाएं हैं।

स्वरोजगार के भी अच्छे मौके...

यह भी अच्छी बात है कि जो लोग इस सेक्टर में स्वरोजगार शुरू करना चाहते हैं उन्हें भी वैलनैस से जुड़ी यूनिट्स खोलने के लिए आरंभ में ही अधिक धनराशि की जरूरत नहीं होती तथा न ही अधिक लोगों की जरूरत पड़ती है। इसलिए हम कह सकते हैं कि इस क्षेत्र में आपके लिए बेहरत कॅरियर विकल्प मौजूद है।

अपार संभावनाएं...

भारत आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट्स तथा योगा के लिए एक ग्लोबल सेंटर बनता जा रहा है। हर्बल कॉस्मैटिक्स सेक्टर भी भारतीय वैल्नेस इंडस्ट्री में अपनी जगह पक्की करता जा रहा है। अनुमान है कि इसमें 7 प्रतिशत की दर से विकास होगा, क्योंकि अधिक से अधिक लोग रासायनिक उत्पादों को छोड़कर जैविक उत्पादों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हेल्थ ड्रिंक्स के रूप में न्यूट्रास्यूटिकल्स, स्लिमिंग टी, डाइटरी सप्लीमेंट्स आदि का सेवन भी कई गुणा बढ़ रहा है। इस सेग्मेंट के भी वर्ष 2016 तक बढ़कर 3212.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर होने की अपेक्षा है। वहीं ग्लोबल वैलनैस टूरिज्म सेग्मेंट के भी आम पर्यटन की अपेक्षा 50 प्रतिशत तेजी के साथ बढ़ने की संभावना है।

रेसिपी

वेज मंचूरियन

सामग्री

100 ग्राम गाजर, 100 ग्राम फूलगोभी, 100 ग्राम पता गोभी, 50 ग्राम शिमला मिर्च, 2 हरी मिर्च, हरा धनिया, 200 ग्राम कॉर्न फ्लार, 1 टे.स्पून चिली सॉस, 1 टी स्पून सोया सॉस, 1 टे.स्पून टमैटो सॉस, स्वादानुसार नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला, पिसा हुआ धनिया, तलने के लिए तेल

विधि

सारी सब्जियों को बारीक-2 काट ले या फिर कद्दूकस कर लें। अब उन सब सब्जियों मे कॉर्न फ्लार डालकर अच्छी तरह मिलाया दें। इस मिश्रण में अपने स्वादा के अनुसार नमक, गर्म मसाला और एक हरी मिर्च बारीक काट कर मिला लें। अब इस मिश्रण से कोफ्ते तैयार कर लें। फिर कड़ाही मे तेल डाल कर गरम तेल में कोफ्तों को अच्छी तरह ब्राउन तल लें। ग्रेवी बनाने के लिए कड़ाही में तेल डाल कर गर्म कर लें। जब तेल अच्छी तरह गर्म हो जाए तो उसमें प्याज डाल कर ब्राउन होने तक भूनतो रहे। जब वह अच्छी तरह ब्राउन हो जाएं तो इसमे नमक, गर्म मसाला, लाल मिर्च, सूखा धनिया सब मसाले डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और उसमें हल्का सा पानी डालें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो उसमें कोफ्ते डाल कर सोया सॉस, चिली सॉस और टॉमेटो सॉस डालकर मिक्स करें। अब वेज मंचूरियन को बारीक कटे हरे धनिये से सजाकर गर्मागर्म परोसें।

पंजाबी पिंडी चना

साम्रगी

एक कप काबुली चना, एक चम्मच अदरक का पेस्ट, आधा चम्मच का पेस्ट, दो प्याज पिसे हुए, दो हरी मिर्च पिसी हुई, दो से तीन टमाटर (प्यूरी तैयार करें), दो बड़ी इलायची, बड़ा टुकड़ा दालचीन, थोड़ा कूटा हुआ, आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा (खाने वाला सोडा), दो चम्मच चाय पत्ती, एक चम्मच धनिया पाउडर, एक चम्मच छोला मसाला, एक चम्मच गरम मसाला, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, तेल

विधि

एक कूकर में पानी के साथ काबुली चना डालें। उसमें चाय पत्ती वाली पोटली, बेकिंग सोडा (चाहें तो) और एक छोटा चम्मच नमक मिलाकर, कूकर का ढक्कन लगाएं और गैस पर तेज आंच में चने उबलने के लिए रख दें। कूकर की एक सीटी आने के बाद आंच मध्यम कर दें। 3-4 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। कूकर का ढक्कन खोलें और सबसे पहले चने से चाय पत्ती की पोटली निकाल दें अब एक बड़े चम्मच से चनो को थोड़ा मैश करते हुए चलाएं। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही में तेल गर्म करें। अब इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर फ्राई करें। जब पेस्ट का रंग सुनहरा हो जाए और वह बड़ी चम्मच से चलाते समय कड़ाही में चिपकने लगे तब इसमें टमाटर की प्यूरी डालकर 5 मिनट तक पकाएं। अब ग्रेवी में धनिया पाउडर, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, छोला मसाला और नमक मिलाकर एक मिनट तक पकने दें। अब उबले चने पानी के साथ ग्रेवी में डालकर बड़ी चम्मच से चलाते हुए मिलाएं। मध्यम आंच पर सब्जी को 15 से 17 मिनट तक पकाएं। जब ग्रेवी और चने अच्छी तरह मिक्स होकर, थोड़े गाढ़े हो जाएं तो गैस बंद कर दें। मसालेदार लजीज पिंडी चना तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**